



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 13] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 31, 1979 (चैत्र 10, 1901)
No. 13] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 31, 1979 (CHAITRA 10, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 12 मार्च 1979

सं० ए० 32014/2/76-प्रशा०-III—उस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 27 नवम्बर, 1978 के अनुक्रम में, केन्द्रीय सचिवालय सेवा नियमावली, 1962 के नियम 10 के उपबन्ध के अधीन संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय स्टेनोग्राफर सेवा (के० म० स्टे० सेवा का ग्रेड 'क') के स्थायी चयन ग्रेड अधिकारी श्री एम० गोविन्दाकृष्णन को, राष्ट्रपति द्वारा 1-3-1979 से 31-5-1979 तक की अनिश्चित अवधि के लिये अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

वा० ना० सोम
उप-सचिव
(प्रशासन प्रभारी)
संघ लोक सेवा आयोग

1--526GH/78

गृह मंत्रालय

(का० एवं प्र० सु० विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 8 मार्च 1979

सं० ए० 19019/1/79-प्रशा०-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री बी० के० पाणिग्रही, भा० पु० से० (उड़ीस 1952) को दिनांक 1-2-1979 के पूर्वानु में अगले आदेश तक के लिए संयुक्त निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस विशेष महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 12 मार्च 1979

सं० एम० 14/74-प्रशा०-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से डा० (मिम०) एम० शिवाराम को दिनांक 24 फरवरी 1979 के अपराह्न में अगले आदेश तक के लिये स्थानापन्न उप-निदेशक, केन्द्रीय न्याय-वैधक विज्ञान प्रयोगशाला, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के रूप में नियुक्त करते हैं।

(2445)

दिनांक 13 मार्च 1979

सं० एन० 36/66 प्रशा०-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद में महाराष्ट्र राज्य पुलिस के अधिकारी श्री एन० जे० कार्निक् को दिनांक 1-3-1979 (पूर्वाह्न) में अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो विशेष पुलिस स्थापना में स्थानापन्न पुलिस अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

एस० के० आ
उप-निदेशक (प्रशा०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 8 मार्च 1979

सं० ए० 35018/4/78-प्रशा०-I—पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद्वारा श्री डी० बी० भेंडे, गुजरात राज्य पुलिस के निरीक्षक को दिनांक 21-12-78 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए प्रतिनियुक्ति पर दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, सामान्य अपराध स्कंध, बम्बई, शाखा में, अस्थायी रूप से पुलिस निरीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 35018/6/78-प्रशा०-I—पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद्वारा श्री बी० एस० सेठी, गुजरात राज्य पुलिस के निरीक्षक को दिनांक 18-2-1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए प्रतिनियुक्ति पर दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, अहमदाबाद शाखा में अस्थायी रूप से पुलिस निरीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

जरनेल सिंह
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च 1979

सं० पी०-77/68-प्रशा०-5—प्रतिनियुक्ति की अवधि समाप्त हो जाने पर श्री पी० पथलाई, पुलिस उप-अधीक्षक केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, ने दिनांक 28-2-79 के अपराह्न में केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, में पुलिस उप-अधीक्षक के पद का कार्यभार त्याग दिया।

सं० एफ० 1/70-प्रशा०-5—प्रतिनियुक्ति की अवधि समाप्त हो जाने पर, श्री फकीर चन्द, पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो की सेवाएं दिनांक 28-2-79 के अपराह्न से हरियाणा राज्य पुलिस को वापस सौंप दी गई।

रिपुदमन सिंह
प्रशासनिक अधिकारी (लेखा)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च 1979

सं० ओ० डी० 755/70-स्थापना—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (जनरल इयूटी) आफिमर ग्रेड II) डाक्टर (श्रीमती) कविता बालचन्द्रानी, ग्रुप सेंटर हास्पिटल, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, नीमच, का त्यागपत्र दिनांक 8 जून 1978 पूर्वाह्न में स्वीकृत कर लिया।

दिनांक 13 मार्च 1979

सं० ओ० डी० 1106/73-स्थापना—श्री आर० डी० पाण्डे ने उनके सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप उप-पुलिस अधीक्षक, 43वीं बाहिनी, के० रि० पु० बल के पद का कार्यभार 28-2-1979 (अपराह्न) को त्याग दिया।

ए० के० बन्धोपाध्याय
सहायक निदेशक (प्रशासन)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 9 मार्च 1979

सं० 11/1/77-प्रशा०-I—इस कार्यालय की तारीख 5-7-1978 की समसंख्यांक अधिसूचना को अधिक्रान्त करते हुए राष्ट्रपति, पश्चिम बंगाल में, जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में कार्यालय अधीक्षक श्री एस० के० मजूमदार को उत्तर प्रदेश, लखनऊ में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में सहायक निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर, नियमित आधार पर, अस्थाई तौर पर, तारीख 13 मितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक महर्षि नियुक्त करते हैं। उनका मुख्यालय लखनऊ में होगा।

सं० 11/1/77-प्रशा०-I—इस कार्यालय की तारीख 5-7-1978 की समसंख्यांक अधिसूचना को अधिक्रान्त करते हुए राष्ट्रपति, बिहार, पटना में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में कार्यालय अधीक्षक श्री एस० के० पाठक को मणिपुर, इम्फाल में सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर, नियमित आधार पर अस्थाई तौर पर तारीख 13 मितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक महर्षि नियुक्त करते हैं, उनका मुख्यालय इम्फाल में होगा।

सं० 11/1/77-प्रशा०-I—इस कार्यालय की तारीख 5-7-1978 की समसंख्यांक अधिसूचना को अधिक्रान्त करते हुए राष्ट्रपति, हिमाचल प्रदेश में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में कार्यालय अधीक्षक श्री बी० डी० शर्मा को संघ राज्य क्षेत्र चण्डीगढ़ में, जनगणना कार्य निदेशक, चण्डीगढ़ के कार्यालय में सहायक निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर नियमित आधार पर, अस्थाई तौर पर तारीख 13 मितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक महर्षि नियुक्ति करते हैं। उनका मुख्यालय चण्डीगढ़ में होगा।

पी० पद्मनाभ
भारत के महापंजीकार

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग
कार्यालय : महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व
नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 मार्च 1979

सं० प्रशास० का० I आ० 607/5-8/77-79/2564—
महालेखाकार ने मूल नियम 30(1) के परन्तुक के अन्तर्गत
इस कार्यालय के एक स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री एन०
एन० मन्मेता, की, लेखा अधिकारी के पदक्रम में रु० 840-
1200 के समय वेतनमान में पूर्वव्यापी प्रभाव सहित पहली
जनवरी, 1979 से अगले आदेशों तक, उपचारात पदोन्नति
का आदेश दिया है।

को० टि० छाया
ब० उप महालेखाकार (प्र०)

रक्षा मंत्रालय

महानिदेशालय आर्डनेन्स फैक्ट्रियां,
भारतीय आर्डनेन्स फैक्ट्रियां सेवा,
गुडिपत्र

कलकत्ता, दिनांक 13 फरवरी 1979

सं०/8 जी०/79—गजट अधिसूचना संख्या 44/74/जी,
दिनांक 21-10-1974 में क्रमसंख्या 1 के सामने की प्रविष्टि
के स्थान पर, नीचे लिखे अनुसार दर्ज किया जाय :—

(1) श्री पी० डी० जोशी, स्थायी प्रबन्धक, 8 जुलाई
1974 (निकटतम नीचे के नियम के अन्तर्गत)

दिनांक 3 मार्च 1979

सं० 9/जी०/79—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष)
प्राप्त कर श्री यू० के० दाम, मौलिक एवं स्थायी सहायक
प्रबन्धक दिनांक 28-2-1978 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त
हुए।

सं० 15/79/जी०—ग्यारह दिनों की स्वीकृत अर्जित
छुट्टी की समाप्ति पर, 58 वर्ष की आयु प्राप्त कर, श्री
एन० एम० खींग, स्थानापन्न प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी
उप-प्रबन्धक) दिनांक 30-11-1978 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त
हुए।

वी० के० मेहता,
सहायक महानिदेशक,
आर्डनेन्स फैक्ट्रियां

वाणिज्य, नागरिक आपूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय
(वाणिज्य विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 7 मार्च 1979

आयात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं० 6/765/65-प्रशासन (राज०)/2039—संयुक्त मुख्य
नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में स्थानापन्न नियंत्रक,

आयात निर्यात श्री एम० जी० तलवार को 20 दिसम्बर, 1978
के पूर्वाह्न में सरकारी सेवा में पदच्युत किया जाता है।

का० वें० शेपात्रि,

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 28 फरवरी/3 मार्च 1979

सं० 12(40)/61-प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्रपति,
लघु उद्योग विकास संगठन के अधिकारी श्री के० सी० माहा,
जो उप निदेशक (चर्म/पादुका) के रूप में स्थायी थे तथा निदेशक,
ग्रेड-II (चर्म/पादुका) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न
रूप में कार्य कर रहे थे, को निवृत्त की आयु प्राप्त कर लेने पर
दिनांक 30 नवम्बर, 1978 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से
सेवा-निवृत्त होने की अनुमति प्रदान करते हैं।

महेंद्र गुप्त,
उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 5 मार्च 1979

सं० ए०-19012 (109)/78-स्था० ए०—श्री एम० एन०
मित्रा, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूवैज्ञानिक) को दिनांक 20-2-79
के पूर्वाह्न में आगामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो
में वर्ग "ब" के पद में नियमित आधार पर स्थानापन्न सहायक
खनन भूवैज्ञानिक के रूप में पदोन्नति प्रदान की जाती है।

सं० ए०-19011(254)/78-स्था० ए०—संघ लोक सेवा
आयोग की सिफारिश से, राष्ट्रपति श्री प्रेम श्रीवास्तवा, सहायक
खनन भूवैज्ञानिक भारतीय खान ब्यूरो, को दिनांक 13-2-79
के अपराह्न में आगामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में
सहायक खनिज अर्थशास्त्री (आसूचना) के पद पर पदोन्नति की
जाती है।

एस० बालगोपाल,
कार्यालय अध्यक्ष,
भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 5 मार्च, 1979

सं० ए०-19012/43/76-स्था० ए०—इस विभाग के
ऊपर दर्शाये गये क्रमांक के अधिसूचना दिनांक 22 नवम्बर, 1978
का अधिकरण करने हुए संघीय लोक सेवा आयोग की सिफारिश

से, श्री डी० एन० धारे, स्थानापन्न उप-पुस्तकाध्यक्ष, भारतीय खान ब्यूरो को दिनांक 7 नवम्बर, 1978 से आगामी आदेश होने तक स्थानापन्न पुस्तकाध्यक्ष के पद पर नियुक्ति की जाती है।

आशा राम कश्यप
प्रशासन अधिकारी
भारतीय खान ब्यूरो

1979 की अपराह्न में केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में उप सहायक निदेशक (स्कूल स्वास्थ्य शिक्षा) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

शाम लाल कुठियाला,
उप निदेशक प्रशामन

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 9 मार्च 1979

सं० 6(140)/63-ए० कः—महानिदेशक आकाशवाणी, श्री आर० पी० मिश्रा, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, मधुरा को, उसी केन्द्र पर, दिनांक 31 जनवरी, 1979 से, अगले आदेशों तक, अस्थाई रूप से, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

हरि दत्त खेड़ा
प्रशामन उपनिदेशक,
कृते महानिदेशक

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 मार्च 1979

सं० ए०-12026/20/78-स्थापना—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक श्री ओम प्रकाश, स्थायी सहायक को 20 फरवरी, 1979 से अगले आदेश तक इस निदेशालय में सुपरवाइजर के पद पर डिपुटेशन नियमों के अनुसार नियुक्त करते हैं।

2. श्री कृष्ण दास, ने सुपरवाइजर के पद 20 फरवरी, 1979 पूर्वाह्न में कार्यभार छोड़ दिया है।

आर० नारायण
उप निदेशक (विज्ञापन)
कृते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 मार्च 1979

सं० ए०-12025/7/78-प्रशामन-I—राष्ट्रपति ने केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में उप सहायक निदेशक (स्कूल स्वास्थ्य शिक्षा) के पद पर कार्य कर रहे श्री जे० एस० मंजुल को 25 जनवरी, 1979 की अपराह्न में आगामी आदेशों तक उसी ब्यूरो में उप निदेशक (स्कूल स्वास्थ्य शिक्षा) के पद पर अस्थाई आधार पर नियुक्त किया है।

2. श्री जे० एस० मंजुल ने अपनी नियुक्ति उप निदेशक (स्कूल स्वास्थ्य शिक्षा) के पद पर हो जाने के परिणाम स्वरूप 25 जनवरी,

भारतीय डाकतार विभाग

पत्र सं० पी०-339/10039

दिनांक 25-1-79

केन्द्रीय सिविल सर्विसेज (अस्थाई सेवा) नियम 1965 के नियम 5 (1) के अधीन नौकरी से हटाने का नोटिस।

केन्द्रीय सिविल सर्विसेज (अस्थाई सेवा) नियम 1965 के मब रूल (1) के रूल 5 के अन्तर्गत श्री सोहनलाल भीणा तारवाहक (बाहरी) केन्द्रीय तारघर जयपुर को यह नोटिस देता हूँ कि उसकी सेवाएं इस नोटिस के वितरण होने की तारीख से एक मास की समाप्ति पर समाप्त (terminate) मानी जाएंगी।

(ह०) अपठनीय
अधीक्षक प्रभारी
केन्द्रीय तारघर, जयपुर-302001

पावती

मुझे आज दिनांक को नौकरी से हटाने का नोटिस मिला।

हस्ताक्षर

पद

स्थान तथा तिथि

कृषि और मिर्चाई मंत्रालय

(ग्राम विकास विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

(प्रधान कार्यालय)

फरीदाबाद, दिनांक 8 मार्च, 1979

सं० ए०-19023/69/78-प्र०-III—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिशों के अनुसार निम्नलिखित अधिकारियों, जो कि तदर्थ आधार पर विपणन अधिकारी (वर्ग I) के रूप में कार्य कर रहे थे, को दिनांक 18-12-78 से अगले आदेश होने तक, स्थानापन्न रूप में नियमित आधार पर विपणन अधिकारी (वर्ग I) नियुक्त किया जाता है :—

(1) श्री एन० एल० कान्ता राव

(2) श्री उमादत्त पान्दे

बी० एल० मनिहार,
निदेशक, प्रशामन

कृते कृषि विपणन मंत्रालय, भारत सरकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई, दिनांक 21 फरवरी 1979

सं० 7(12)/79-पुष्टीकरण/476—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, निम्नलिखित अधिकारियों को, इसके द्वारा 1 अप्रैल 1978 में, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में, मौलिक रूप में लेखा अधिकारी II के पद पर नियुक्त करते हैं।

क्रम सं०	नाम	अभी का पद	यूनिट त्रिधर अभी काम करते हैं	बी०ए०आर०सी० में स्थाई पद
1.	श्री के० जी० आर० नायर	लेखा अधिकारी III	बी०ए०आर०सी०	लेखापाल
2.	श्री बी० रामस्वामी	लेखा अधिकारी III	परमाणु ऊर्जा विभाग	सहायक लेखा अधिकारी
3.	श्री के० वेंकटवल्लभ	लेखा अधिकारी III	बी०ए०आर०सी०	लेखापाल

कु० हे० भ० विजयकर
उप-स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 12 मार्च 1979

संदर्भ संख्या डीएस/ए/32011/3/76/संस्थापन/7412—इसी निदेशालय की समसंख्यक अक्तूबर 1, 1976 की अधिसूचना के संदर्भ श्री जनार्दन तुकाराम नेहरूकर के स्थानापन्न रूप से सहायक क्रय अधिकारी के पद पर किया गया नियमन दिसम्बर 26, 1978 (अपराह्न) तक प्रतिबन्धित किया गया है।

के० पी० जोसेफ,
प्रशासन अधिकारी

भारी पानी परियोजना

बम्बई-400008 दिनांक 12 मार्च 1979

सं० भापाप/स्था०/1/प-20/1160—भारी पानी परियोजना के, विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री घनश्याम छगन भाई पटेल, अस्थायी उच्च श्रेणी लिपिक, भारी पानी परियोजना (बड़ौदा) को उसी परियोजना में 25 नवम्बर, 1978 (पूर्वाह्न) से 6 जनवरी, 1979 (अपराह्न) तक के लिए, श्री एस० सी० ठाकुर, सहायक कार्मिक अधिकारी, जो स्थानापन्न रूप से भारी पानी परियोजना (बड़ौदा) में प्रशासन-अधिकारी नियुक्त किए गए हैं, के स्थान पर स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

के० शंकरनारायणन
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीघर

टीएपीबी-401504, दिनांक 16 फरवरी 1979

सं० टीएपीएस/1/19(3)/77-आर—इस कार्यालय की तारीख 25-7-1978 की समसंख्यक अधिसूचना के अनुक्रम में तारापुर परमाणु बिजलीघर के सहायक लेखा अधिकारी श्री जी० डी० बविस्कर की प्रतिनियुक्ति की अवधि एतद्-द्वारा 7-11-1978 से 6-5-1979 तक छह महीने के लिए और बढ़ाई जाती है।

ए० डी० देसाई
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 फरवरी 1979

सं० ए० 32013/6/78-ई—राष्ट्रपति ने श्री के० बी० गणेशन, निदेशक अनुसंधान और विकास को 16 फरवरी, 1979 (पूर्वाह्न) से अन्य आदेश होने तक नागर विमानन विभाग में उपमहानिदेशक नागर विमानन के पद पर नियुक्त किया है।

हरबंस लाल कोहली
निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 3 मार्च 1979

सं० ए० 32013/9/78-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित तीन सहायक तकनीकी अधिकारियों को उनके नाम के सामने दी गई तारीखों में छः माह की अवधि के लिए अथवा गिनतियां उपलब्ध होने तक, जो भी पहले पड़े, तदर्थ आधार पर तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशनों पर तैनात किया है :—

क्रम सं०	नाम व पदनाम	तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख।
1.	श्री ओ० पी० छाबड़ा तकनीकी अधिकारी	वैमानिक संचार स्टेशन, पालम	वैमानिक संचार स्टेशन, पालम	31-1-79 (पूर्वाह्न)
2.	श्री सी० एल० मलिक, तकनीकी अधिकारी	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई	1-2-79 (पूर्वाह्न)
3.	श्री के० आर० रामनुजम तकनीकी अधिकारी	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई	1-2-79 (पूर्वाह्न)

सं० ए० 32013/15/77-ईसी—इस विभाग की दिनांक 23-11-78 की अधिसूचना सं० ए० 32013/15/78-ई सी० का आंशिक संशोधन करते हुए क्रम संख्या 4 के सामने दिए गए इन्दराजों को निम्न प्रकार संशोधित किया जाए :—

क्रम सं०	नाम	तैनाती स्टेशन
4.	श्री बी० रामकृष्णन्	संचार नियंत्रक का कार्यलय वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास

6. श्री एस० पी० सिंह
7. श्री डी० पी० घोष
8. श्री एल० एम० माथुर
9. श्री हरिहर प्रसाद
10. श्री आर० एन० शास्त्री

सुरजीत लाल खण्डपुर
सहायक निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय उत्पादन एवं सीमा-शुल्क समाहर्तालय

इलाहाबाद, दिनांक 26 फरवरी 79

सं० 35/1979—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क मुख्यालय, इलाहाबाद में तैनात श्री प्रीतम सिंह स्याल, मुख्य लेखा अधिकारी ने 31 दिसम्बर, 1978 को दोपहर के बाद अपना कार्यभार छोड़ दिया और वे अधिवर्षता (सुपरएनुएशन) की उम्मीद प्राप्त करने के बाद सरकारी सेवा से निवृत्त (रिटायर) हो गए।

धर्मपाल आर्य

समाहर्ता

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, इलाहाबाद

नई दिल्ली, दिनांक 8 मार्च 1979

सं० ए० 32013/6/76-ईसी—इस कार्यालय की दिनांक 23 अगस्त, 1978 की अधिसूचना सं० ए० 32013/6/76-ईसी के क्रम में राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकारियों की विमान निरीक्षक के ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति की अवधि 30-6-1979 तक अथवा ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, बढ़ा दी है :—

1. श्री अनुपम बागची
2. श्री एम० मजूमदार
3. श्री एच० एम० फूल
4. श्री एल० ए० महालिंगम
5. श्री ए० के० राय

पटना, दिनांक 6 मार्च 79

सं० 11(7)2-स्था०/79/2427—वित्त मंत्रालय के आदेश सं० 172/78 दिनांक 28-10-78 जो फाइल सं० ए० 22012/26/78-एडी-II में निर्गत हुई है के अनुसरण में निम्नलिखित पदाधिकारी महागण समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन/सीमा शुल्क

(निम्न वेतनमान)/ अधीक्षक, सीमा शुल्क ग्रुप 'क' के रूप में निम्न प्रकार कार्यभार ग्रहण किया।

क्रमांक	पदाधिकारी का नाम	पदस्थापन का स्थान	कार्यभार ग्रहण करने की तिथि
1.	श्री बी० एम० प्रभाद	महायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद, पटना	27-11-78 (पूर्वान्त)
2.	श्री जे० मजुमदार	अधीक्षक, ग्रुप 'क' सीमा शुल्क, बीरपुर	15-11-78 (पूर्वान्त)

दिनांक 8 मार्च 1979

सं० 11(7)2-स्था०/79/2511—इस समाहर्तालय के निम्नलिखित स्थानापन्न महायक समाहर्ता अपनी सेवा की आयु पूरी कर उनके नाम के सामने दिखाए गए तारीख अनुसार सेवा निवृत्त हुए।

क्रमांक	नाम	पदनाम	सेवा निवृत्ति की तिथि
1.	श्री यू० सी० चटर्जी	महायक समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद	31-1-79 (अपराह्न)
2.	श्री आर० के० पांडे	वही	28-2-79 (अपराह्न)

डी० के० सरकार
समाहर्ता
केन्द्रीय उत्पाद, पटना

बम्बई-400020, दिनांक 27 जनवरी 1979

शुद्धि-पत्र

सं० 11/3ई(ए)2/78 पार्ट-I—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय की दिनांक 22-8-78 की अधिसूचना फा० सं० 11/3ई(ए)2/78 की क्रम संख्या 10 में कुमारी बी० बी० जोगलेकर द्वारा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क परीक्षक के रूप में कार्यभार सम्भालने की तिथि को यथा संशोधित कर 18-1-78 पूर्वां पढ़ा जाए।

ई० आर० श्रीकण्ठया,
समाहर्ता
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बम्बई

कानपुर, दिनांक 12 मार्च, 1979

सं० 9/1979—श्री जमवंत मिह, पुर अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' ने अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग

'ख' एम० ओ० आर० साहिबाबाद, गाजियाबाद 11 मण्डल के पद का कार्यभार दिनांक 31-1-79 (अपराह्न) को श्री भगवान सिंह, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एम० ओ० आर० 11 साहिबाबाद, गाजियाबाद 11 मण्डल को सौंप दिया और अधिवर्षना की आयु प्राप्त होने पर सरकारी सेवा में दिनांक 31-1-79 (अपराह्न) को सेवा निवृत्त हो गए।

कु० ल० रेखी
समाहर्ता

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय

सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नई दिल्ली-1, दिनांक 12 मार्च 1979

सं० 3/79—श्री आर० एल० नारायणन ने, जो पहले समाहर्तालय मद्रास में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधीक्षक ग्रुप 'ख' के पद पर कार्य कर रहे थे, निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के दिनांक 18-12-78 के आदेश फा० सं० 1041/17/78 के अनुसार स्थानांतरित होने पर, दिनांक 10-1-79 (पूर्वान्त) से निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय के इंदौराबाद स्थित मध्य प्रादेशिक यूनिट में, निरीक्षण अधिकारी (सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क) ग्रुप 'ख' का कार्यभार संभाल लिया है।

एम० बी० एन० राव
निरीक्षण अधिकारी

विधि, स्थाय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और आकाश चित्र फण्ड एण्ड टरेडिंग कं० प्रा० लिमिटेड के विषय में

नई दिल्ली, दिनांक 24 फरवरी 1979

सं० 3816/3628—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी गई है कि आकाश चित्र फण्ड एण्ड टरेडिंग कं० प्रा० लि० का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

हर लाल
महायक कम्पनी रजिस्ट्रार,
दिल्ली एवं हरियाणा

कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में एवं
सं० एग्रिको एण्ड इलेक्ट्रिकल्स, प्राइवेट लिमिटेड, इन्दौर के मामले में

ग्वालियर, दिनांक 9 मार्च 1979

सं० 1028/आर/8283—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के अन्तर्गत, एतद्वारा, सूचित

किया जाता है कि इस सूचना के दिनांक से तीन मास की समाप्ति पर, मै० एच० एण्ड इलेक्ट्रिकल्स प्राइवेट लिमिटेड इन्दौर का नाम, यदि इसके विरुद्ध कोई कारण न दर्शाया गया तो, रजिस्टर से काट दिया जाएगा एवं कथित कम्पनी समाप्त हो जाएगी।

सुरेन्द्र कुमार सक्सेना
कम्पनी रजिस्ट्रार
मध्य प्रदेश, भवलयर

जालंधर, दिनांक 6 मार्च 1979

सं० जी०/स्टेट/2798/560/12976—यतः मलिक लकी स्कीम एण्ड फाईनेन्स प्राइवेट लिमिटेड जिस का रजिस्ट्रीकृत कार्यालय 208 बर्मा बिल्डिंग, चहार बाग, जालंधर में है का परि-समापन किया जा रहा है।

और यतः अधोहस्ताक्षरकर्ता के पास यह विश्वास करने का उचित कारण है कि कोई भी समापक कार्य नहीं कर रहा है। मलिक लकी स्कीम एण्ड फाईनेन्स प्राइवेट लिमिटेड और यह कि कम्पनी के कार्यालय का पूर्णतया परिस्मापन हो गया है। समापक द्वारा दी जाने वाली अपेक्षित विवरणियाँ छै क्रमवती मास की अवधि की नहीं दी गई है।

अतः अब कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (4) के उपबन्धों के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस सूचना की तारीख से तीन मास का अवसान होने पर मलिक लकी स्कीम एण्ड फाईनेन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किए जाने पर रजिस्टर में से काट दिया जाएगा, और कम्पनी को विघटित कर दिया जाएगा।

सत्य प्रकाश तायल,
कम्पनी रजिस्ट्रार,
पंजाब, हि० प्र० व चण्डीगढ़

कार्यालय, आयकर आयुक्त

बम्बई, दिनांक 16 फरवरी 1979

आयकर राजपत्रित स्थापना

सं० 829—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वां अधिनियम) की धारा 117 की उपधारा (2) में प्रदत्त की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं, श्री ह्यू० डी० सोन्डे, आयकर आयुक्त बम्बई नगर-1, बम्बई ने निम्नलिखित आयकर निरीक्षों को आयकर अधिकारी श्रेणी-2 के रूप में स्थापना रूप से कार्य करने के लिए उनके नामों के सामने दी गई तारीखों के अगले आदेशों तक के लिए नियुक्त किया है।

सर्वश्री

1. ए० बी० राव , निरीक्षक 25-11-78 (एफ० एन०)
2. डी० टी० बालानी ,, 29-11-78
3. पी० एम० श्रीवर्मा ,, 22-11-78

सर्वश्री

4. जी० जे० तलवेजा निरीक्षक 21-11-78 (एफ० एन०)
5. पी० के० गोपाल-
कुण्ठन ,, 21-11-78 ,,
6. बी० टी० सिध्दवे ,, 21-11-78 (ए० एन०)
7. कुमारी एम० चंद्रा ,, 20-11-78 (एफ० एन०)
8. बी० के० मनोन ,, 21-11-78 ,,
9. आर० के० साहस ,, 20-11-78 ,,
10. के० आर० श्री-
निवासन ,, 20-11-78 ,,
11. ए० एन० तिवारी ,, 20-11-78 ,,
12. श्रीमती ए० के०
थडानी ,, 21-11-78 ,,
13. पी० के० धर्मराजन ,, 21-11-78 ,,
14. एन० सी० नायर ,, 20-11-78 ,,
15. श्रीमती एल० जी०
मेनोन ,, 23-11-78 (एन० एन०)
16. के० एल० लुधवानी ,, 29-11-78 (एफ० एन०)
17. एम० विजय चंद्रन ,, 22-11-78 (ए० एन०)
18. पी० बी० राणे ,, 25-11-78 (एफ० एन०)
19. एस० गणपती अय्यर ,, 21-11-78 ,,
20. पी० आर० नायर ,, 20-11-78 ,,
21. पी० एल० डेविस ,, 20-11-78 ,,
22. जे० सी० हिन्डूजा ,, 21-11-78 ,,
23. एल० पी० थोरान ,, 20-11-78 (ए० एन०)
24. श्रीमती आर० ए०
गुप्ते ,, 21-11-78 (एफ० एन०)
25. एम० के० पवार ,, 20-11-78 (ए० एन०)

2. भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) नई दिल्ली, के पत्र एफ० नं० 22/3/64-प्रशा०-5 दिनांक 25-4-78 के अनुसार वे दो वर्षों की अवधि के लिए परीक्षा के अधीन रहेंगे। यदि जरूरी हुआ तो यह परीक्षा की अवधि ऊपर लिखी अवधि से आगे भी बढ़ाई जा सकती है। इस पद पर उनकी पुष्टी और या उन्हें रखा जाना परीक्षा की अवधि के सफल समापन पर निर्भर करेगा।

3. उनकी नियुक्तियाँ बिलम्ब अस्थाई और अन्तिम हैं और बिना सूचना किसी भी समय समाप्त करनी पड़ सकती है।

ह्यू० डी० सोन्डे,
आयकर आयुक्त,
बम्बई नगर-1, बम्बई

नई दिल्ली, दिनांक 7 मार्च 1979

सं० जुरि-दिल्ली/78-79/46955—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 42वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि दिनांक 2-3-1979 से निम्नलिखित आयकर सर्किल बनाया जाएगा।

डिस्ट्रिक्ट 4/11, नई दिल्ली।

सं० जुरि-दिल्ली-5/78-79/47096—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उपधारा (1) तथा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस संबंध में पहले जारी की गयी अधिसूचनाओं में आंशिक संशोधन करते हुए, आयकर आयुक्त दिल्ली-5 निदेश देते हैं कि आयकर

अधिकारी, डि० 4(11) नई दिल्ली का आयकर अधिकारी, डि० 4(6) नई दिल्ली के साथ समवर्ती अधिकार क्षेत्र होगा। यह समवर्ती अधिकार क्षेत्र उन व्यक्तियों/मामलों के संबंध में होगा जिनका कर-निर्धारण उक्त आयकर अधिकारियों द्वारा किया जाता है अथवा किए जाने योग्य है। परन्तु इसमें वे मामले शामिल नहीं होंगे जिनको धारा 127 के अधीन सौंपा गया हो अथवा जो इसके बाद सौंपे जायें।

आयकर आयुक्त, दिल्ली-5, कार्य-निष्पादन की सुविधाओं के लिए निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, 5-सी को आयकर अधिनियम 1961 की धारा 124 की उपधारा (2) में अवैक्षण आदेशों को पाम करने के लिए भी प्राधिकृत करने है।

यह अधिसूचना 2-3-79 से लागू होगी।

[क० आर० राघवन,
आयकर आयुक्त, दिल्ली-5
नई दिल्ली]

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 8 मार्च 1979

निर्देश सं० ए० एस० आर०/78-79/136—यतः मुझे जी० एल० गारू

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और ज़मीन सं० जमीन का 40 कनाल, 2 मरले गांव सुन्दर चक तहसील पठानकोट है तथा जो पठानकोट तहसील में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पठानकोट तहसील में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

1. श्री गुरुदत्ता पुत्र नथु पुत्र श्री कोडा राम नरीट मिह्रा तहसील पठानकोट, जिला गुरदासपुर (अन्तरक)

2. श्री गुपाल सिंह पुत्र श्री देवा सिंह पुत्र मैदना चक गांव लैहरी बबानी तहसील पठानकोट जिला गुरदासपुर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि क्र० सं० 2 ऊपर 3 पर और कोई किरायेदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. यदि कोई आदमी इस संपत्ति में रुचि रखता हो तो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 40के-2 मरले गांव सुन्दर चक तहसील पठानकोट वाड्ड रजिस्टर्ड डीड 681 दिनांक 13-6-78 रजिस्ट्रीकर्ता पठानकोट जिला गुरदासपुर में है।

जी० एल० गारू

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, अमृतसर

तारीख: 8-3-79

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अमृतसर, दिनांक 9 मार्च, 1979

निर्देश सं० पी० के० टी०/78-79/144—यतः मुझे जी० एल० गारू

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 13 मरले (155 वर्ग फुट) है तथा जो कि किमिशन रोड, पठानकोट में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रस्तरितीयों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण भिन्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वाचन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बलदेव राज कालरा पुत्र श्री राम रखा मल निकट चौक ढांगु, पठानकोट (अन्तरक)

2. डा० अनिरुधा मोहन, पुत्र श्री जगदीश प्रसाद, निकट फायर ब्रिगेड, दफ्तर मेन बाजार, पठानकोट (अन्तरिती) (अन्तरिती)

3. जैसा कि सीरियल नं० 2 ऊपर और कोई किरायेदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्रवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 13 मरले (155 वर्ग फुट, जो कि मिशन रोड, पठानकोट में है जैसा कि रजिस्टर्ड डीड नं० 522 तिथि 2-6-78 आफ रजिस्ट्रींग अथॉरिटी पठानकोट में दर्ज है।

जी० एल० गारू

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

प्रजन रेंज-1, अमृतसर

तारीख : 9-3-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अमृतसर, दिनांक 9 मार्च 1979

निर्देश सं० पी० के० टी०/78-79/143--यतः मुझे जी० एल० गारू

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 13 मरले (155 वर्ग फुट) है तथा जो कि मिशन रोड़, पठानकोट में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16, के अधीन, तारीख जून 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित:--

1. श्री बलदेव राज कालरा पुत्र राम रखा मल कालरा निकट चौक डांगू पठानकोट (अन्तरक)

2. डा० रवीन्द्र मोहन पुत्र डा० जगदीश प्रसाद निकट फायर ब्रिगेड दफ्तर मेन बाजार, पठानकोट (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 और कोई किरायेदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 13 मरले (155 वर्ग फुट) जो कि मिशन रोड़, पठानकोट में है जैसा कि रजिस्टर्ड नं० 523 तिथि 2-6-78 आफ रजिस्ट्रींग अध्यागिटी, पठानकोट जिला गुरदामपुर में दर्ज है।

जी० एल० गारू

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अमृतसर

तारीख: 9-3-79

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 13 मार्च 1979

निर्देश नं० पी० नं० 1889—यतः मुझे बी० एस० दाहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैमा कि अनुमूची में है तथा जो गांव लरोई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जलन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री मेता सिंह पुत्र माधू सिंह
(2) बनबोर सिंह, (3) अनूप सिंह पुत्र बखशीश सिंह गांव राजपुर (अन्तरक)

2. (1) श्री नरपम सिंह पुत्र मेनासिंह
(2) गुर्दीप कौर पति विक्रम सिंह गांव लरोई (अन्तरिती)

3. जैमा ऊपर सं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिनियम में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैमा कि विलेख नं० 3496 जुलाई 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जलन्धर में लिख है।

बी० एस० दाहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज जलन्धर

तारीख: 13-3-79

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 13 मार्च 1979

निर्देश नं० ऐ० पी० नं० 1888—यतः मुसे बी० एस०
दहिया

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो गांव
लरोई में स्थित है (और इसमें उपायधन अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जलन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 1 जुलाई 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय को वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री सेता सिंह पुत्र साधू सिंह (2) बलवीर सिंह
(3) अनूप सिंह पुत्र बखशीश सिंह गांव राजपुर।
(अन्तरक)

2. (1) तरसेम सिंह पुत्र सेता सिंह
(2) गुरदीप कौर पत्नी बिकरसिंह गांव लरोई
(अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-
भाग में संपत्ति है)

4. जो कोई संपत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि विलेख नं० 3483 जुलाई 1978 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया

सक्षम अधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 13-3-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 मार्च 1979

निवेश सं० ए० पी० नं० 1887—यतः मुझे बी० एस०
दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो न्यू कोर्ट
रोड, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक
(अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती शीला मण्डल द्वारा एन० डी० मंडल
एस०-450 ए० ग्रेटर कैलाश, न्यू देहली। (अन्तरक)

2. डा० मदन मोहन पुत्र बलवंत राय भगवती भवन
न्यू कोर्ट रोड सिविल लाईनज, जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भगवती भवन जैसा कि विलेख नं० 2743 जुलाई,
1978 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

तारीख : 13-3-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 मार्च 1979

निदेश सं० ऐ० पी० सं० 1886—यतः मुझे बी० एम०
दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो मरीन
पार्क, जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. बलराज पावहा पुत्र मनोहरलाल पावहा 229—
बसन्ती शेख, जालन्धर। (अन्तरक)

2. श्री कमलजीत पुरी 226 मरीन पार्क, जालन्धर
(अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-
भोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान जैसा कि विलेख नं० 3275 जुलाई, 1978
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, जालन्धर

तारीख : 13-3-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 मार्च 1979

निदेश सं० ऐ० पी० सं० 1885—यतः मुझे बी० एम०

दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1978

पूर्वोक्त, संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल भिन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयत्न—

3—526GI/78

1. श्री इन्द्रजीत सिंह पुत्र बख्शणा सिंह 486 गढ़ा रोड़, जालन्धर (अन्तरक)
2. श्रीमती आ० गुपमा चौपड़ा पत्नी बी० एम० चौपड़ा पटेल हस्पताल, जालन्धर (अन्तरिती)
3. जैसा ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट जैसा कि विलेख नं० 3390 जुलाई 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एम० दहिया
सक्षम अधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 13-3-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 मार्च 1979

लिवेशन सं० ए० पी० नं० 1884—यतः मुझे, बी० एम०
दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख
के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000
र० से अधिक है और

जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जुलाई, 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण
में उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. इन्द्रजीत सिंह पुत्र बख्श सिंह 486 गढ़ा रोड,
जालन्धर (अन्तरक)
2. श्रीमती डा० रमेश कान्त शर्मा पत्नी डा० एम०
के० शर्मा पटेल हस्पताल जालन्धर (अन्तरिती)
3. जैमा ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-
भोग में संपत्ति है)
4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

रजिस्ट्रीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही
अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट जैसा कि विलेख नं० 3315, जुलाई, 1978 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एम० दहिया
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 13-3-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रज, जालन्धर

जालन्धर, 13 मार्च 1979

निर्देश सं० गे० पी० नं० 1883--यतः मुझे बी०
एम० दाहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जुलाई, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती
(प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तर पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) प्रन्तरण ने हुई किसी भाव के बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या धन्य वास्तवों को,
जिन्हें भारतीय भाव-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनों
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री नरिन्द्रपाल सिंह पुत्र गिआन सिंह बजार बामा-
वाला, जालन्धर (अन्तरक)

2. श्री संत राम दुगल पुत्र खनुनाथ का सकान नं० 128/3
मेट्रल टाऊन, जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-
भोग में संपत्ति है।

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रजन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
किए जा सकेंगे।

रजिस्ट्रीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जमीन जैसा कि विलेख नं० 3053 जुलाई, 1978 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दाहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रज, जालन्धर

तारीख: 13-3-1979

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 मार्च 1979

निर्देश सं० ए० पी० नं० 1882—यतः मुझे बी० एम०

दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव रायपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 का (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अत्यधिक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिर्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:

1. श्री राम सिंह पुत्र दीवान सिंह गांव रायपुर (अन्तरक)

2. श्री प्रीतम सिंह, सीतल सिंह, कुंदन सिंह पुत्र मंहगा सिंह पुत्र धन्ना गांव रायपुर (अन्तरिती)

3. जैमा ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिधे कार्योंबाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किमे जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि विलेख नं० 2882 जुलाई, 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, जालन्धर

तारीख: 13-3-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 मार्च 1979

निर्देश सं० ए० सी० नं० 1881-यतः मुझे बी० एम० दहिया,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जैसा की अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1978

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री खरैती लाल पुत्र निहाल चंद भारगो कैंप, जालन्धर। (अन्तरक)

2. श्रीमती सुदर्शता सरीयां पत्नी किशन चंद 90 नथू गैर मारकोट, जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के 17 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान जैसा कि विलेख नं० 3393 जुलाई, 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एम० दहिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 13-3-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 13 मार्च 1979

निर्देश सं० ए० पी० नं० 1880—यतः मुझे बी० एस०

दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में है तथा जो माडल टाउन, जलन्धर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जलन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त, अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती जमवंत कौर पत्नी दलीप सिंह 30 एल० माडल टाउन, जलन्धर । (अन्तरक)

2. श्री जगजीत सिंह पुत्र राम सिंह और गुरिन्द कौर पत्नी जगजीत सिंह 30 एल० माडल टाउन, जलन्धर । (अन्तरिती)

3. जैमा कि ऊपर नं० 2 में है । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कोठी नं० 30 एल माडल टाउन जलन्धर का हिस्सा जैमा कि विलेख नं० 3205 जुलाई, 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी ने लिखा है ।

बी० एस० दहिया

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जलन्धर

तारीख : 13-3-1979

गोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 फरवरी 1979

निदेश सं० 305/78-79—यतः मुझे के० एम० वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है और जिसकी सं० मलगीने 15 धरने 5-8-522 है, जो धीरागलीलेन में स्थित है, (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जगदीश प्रसाद घर ने 21-1-293 रिकार्ड गंज, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्रीमती नारनवार पत्नी एन० एन० मिह 5-9-96 पब्लिक गार्डन के सामने, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगीने, 15, धरने 5-8-522 धीरागलीलेन आर्बीड ग्रय-हैदराबाद 25.55 वर्गशेपे बीसेन रजिस्ट्री दस्तावेज ने 1982/78 अर रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में

के० एम० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, हैदराबाद।

तारीख: 7-2-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 फरवरी, 1979

निर्देश सं० जे० 306/78-79—यतः मुझे के० एस०
बेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 6-2-45, 75, सी०-79 है, जो ये० सी०
गर्ड हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, केरलाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-6-78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह
प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में
बास्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) सर्वश्री राम बीस्टन स्टेवर्ट—आस्ट्रेलिया
(2) श्रीमती मीरिया नेरम कयातीरीन स्टेवर्ट
(3) प्याट्रिक जॉन स्टेवर्ट (4) श्रीमती मुगे स्टेवर्ट
(5) डैम मेरियन अडेमसन (6) सुरीन बीरनाडीट
स्टेफन (7) डीनान्ड ब्रूम स्टेवर्ट (8) जान अलेन कौटम
स्टेवर्ट (9) गारडन हर्बरट स्टानले स्टेवर्ट (10) मीरीन
वीट्टम इसबर्ड (11) जोन ईल्मी एडवर्ड (12) नानी
वॉलेट मेलीना क्रामीनड तमाम लोग आस्ट्रेलिया में रहने
हैं उनका जी० पी० ये० सी हबीब अन्मारी अड्डकैट 828
मैजायशई रास्ता हैदराबाद में है। (अन्तरक)

2. सर्वश्री (1) सी० पूरनय्या (2) येम वेनकटेश्वरेलु
(3) डी० श्रीगणमुर्तु (4) जी० प्रबाकरराउ (5) येम०
येम० आर० सुब्राम्ण्यम (6) पी० कीदनशरामय्या (7)
सी० वी० वेनकटाननदा शास्त्री (8) जे० आर० जी० सुब्र-
मन्याम (9) येम० रंगारेड्डी (10) पी० श्रीरामामूर्ती
(11) श्री सस्यावती (12) टी० गणगीरिराउ (13)
बी० मत्यानारायना राजू (14) यम० रामाचन्द्राराउ
तमाम लोग हैदराबाद में रहते हैं। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में
दिया गया है।

अमुसूची

तमाम घर बाहर का घर कालीजगा बीस्टन 7000 वर्ग
गार्ड है ने 6-2-45, 75 ता० 79 ये० सी० गर्ड हैदराबाद
में है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1702/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय
केरलाबाद में है।

के० एस. बेंकट रामन

सक्षम अधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख 7-2-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

हैदराबाद, दिनांक 7 फरवरी, 1979

निर्देश सं० जे० 307/78-79—यतः मूले के० एम०

वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिमकी सं० 13, 14 धरने 5-8-522 है, जो धीराग-लोलेन में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मवास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5-526GH/78

1 श्री जगदीश प्रसाद 21-1-293 रीकाबगंज, हैदराबाद। (अन्तरक)

2 श्री आर. नमरन श्री 18-8-1 गाँव बाजार हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आपीस नं० 13 और 14 धरने 5-8-522 धीरागली नैन में आबीद रास्ता हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2384/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एम० वेंकट रामन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 7-2-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 फरवरी, 1979

निर्देश सं० 309/78-79—यतः मुझे के० एस०
बेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-

रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 15-1-503/बी०-31 है, जो सीदीयेमबर
बाजार में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दूबकौली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 26-6-78 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय, आयकर अधिनियम, 1922
(1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मेसर्स भारत कन्स्ट्रक्शन कम्पनी 15-1-503
सीदीयेमबर बाजार, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्रीमती पुष्पा बोशी पती रमेश दोशी 15-1-503/
बी०-31 अशोक मारकीट सीदीयेमबर बाजार, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित रखने
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

2 मन्जिला प्लॉट (एक कम) घर सं० 15-1-503/
बी०-31 सीदीयेमबर बाजार हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज
नं० 670/78 ऊपर रजिस्ट्री कार्यालय दूबकौली में।

के० एस० बेंकट रामन
सक्षम अधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 7-2-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 फरवरी 1979

निदेश नं० 310/78-79—यत् मुझे के० एम० वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 15-1-503/ए/59 है, जो सीडीएमबर बाजार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद हुबली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-6-78

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा:—

1. श्री महावीर परणाम जैन घर नं० 15-1-561
महबूबा गंज, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्रीमती कोकीला बेन मेहता पत्नी जयन्ती लाल
मेहता 1-10-246 अशोकनगर, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यन्त्रागार नं० 15-1-503/ए-59 वीस्टन-289.34
बंग फीट पीलकाना सीडीएमबर बाजार हैदराबाद में रजिस्ट्री
दस्तावेज नं० 671/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हुबली में।

के० एम० वेंकट रामन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-2-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 फरवरी 1979

निदेश सं० नं० 311/78-79—यतः मुझे के० एस०
बेकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भाग 16/25 है, जो जीनलागडावारी
वीदी में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नेलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक जून, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः —

1. मै० नागेश्वर राउ धर नं० 16-1694 राममूर्ति
नगर, नेलूर (अन्तरक)

2. श्रीमती सीरुवेदी नागरतन्ममा थुमेटीवारी पालेम कनी-
वीरी तालुक प्रकाशम जिला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-
नियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धर नं० 16/25 का भाग है—जीनलागडावारी गली
नेलूर में कहा जाता है "मनजु हॉटल"—रजिस्ट्री दस्तावेज
नं० 1281/78 और रजिस्ट्रार नेलूर में।

के० एस० बेकट रामन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-2-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 फरवरी 1979

निदेश नं० 312/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० फलैट 17 का 1-11-252/1 बेगमपेट हैदराबाद में जो स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मीकीन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-6-1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स जबार रीमेल इस्टेश-54—नलागुट्टा सीकिन्द्राबाद। (अन्तरक)

2. मेसर्स मुलतान मोहिदीन डिविजनल पारेस्ट आफसर पालानवा खमाम। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फलैट नं० 17 2 मंजिल पर घर नं० 1-11-252/1 बेगमपेट, हैदराबाद दस्तावेज नं० 1430/78 उप-रजिस्ट्री कार्यालय सिकिन्द्राबाद में।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 9-2-1979
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 फरवरी 1979

निदेश नं० 313/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 327—3—मन्जिल पर है, जो चन्द्रालोक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मिकन्द्राबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 7-6-78

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम सप्त धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;—

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (3) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मेमर्स स्वास्तिक कन्स्ट्रक्शन कम्पनी 111— एम० डी० रास्ता मिकन्द्राबाद। (अन्तरक)

2. (1) आई० अन्जनेया (2) वी० कृष्ण शरमा (3) आई० अणोक शरमा (54) गोपाल शरमा (5) श्रीमती टी० मनगम्मा गेलम्मागुट्टा निजामाबाद में। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20—क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय 327 3—मन्जिल पर चन्द्रालोक कामपलेकम 111—मरोजीनी देवी रास्ता मिकन्द्राबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1491/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय मिकन्द्राबाद में।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-2-1979

मोहर:

प्रक्राई०टी०एन०एस०—

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 दिसम्बर, 1979

निदेश नं० 314/78-79—यन: मुझे के० एम० वेंकट रामन

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० बी०-2/3 है, जो गैरेज नं० 8 चन्द्रालोक में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय सिकन्द्राबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-6-78 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धारण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मेमर्स स्वास्तिक कन्स्ट्रक्शन कम्पनी 111-एस० डी० रास्ता, सिकन्द्राबाद। (अन्तरक)

2. गाम्म जी० ओ० संजय 6-3-1089/ए/5 गामाजीगुडी, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो जो अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० बी-2/3 और गैरेज नं० 8-चन्द्रालोक कामपलेकम एस० डी० रास्ता सिकन्द्राबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1568/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्द्राबाद में।

के० एम० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 9-2-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 फरवरी 1979

निर्देश नं० 315/78-79—यतः मुझे के० एम० वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संक्र. 325 3 मंजिल पर है, जो चन्द्रालोक काम्पलेक्स सीकीन्द्राबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मिकीन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7-6-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, न, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकटित :—

5-526 GI/78

1. मेसर्स स्वास्तीक कन्सल्टेशन कम्पनी III-एस डी० रास्ता मिकीन्द्राबाद। (अन्तरक)

2. (1) मै० अन्तवनेया शर्मा (2) बी० कोजणा शर्मा (3) मे० अशोक शर्मा (4) मे० गोपाल शर्मा—येनम्मागुट्टा निजामाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर 5 पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 325 तीसरे मंजिल पर धीन्द्रालोक काम्पलेक्स III-एम० डी० रास्ता सीकीन्द्राबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1599/78 गप रजिस्ट्री कार्यालय मीकीन्द्राबाद में।

के० एम० वेंकट रामन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 9-2-1979

सोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 फरवरी, 1979

निदेश सं० 316/78-79—यतः मुझे के० एम० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 335—III मंजिला पर है तथा जो चन्द्रालोक कामपलेकम में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सीकीन्दाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. मेमर्स स्वास्तिक कन्स्ट्रक्शन कम्पनी —एम० डी० रास्ता सीकीन्दाबाद में। (अन्तरक)

2. सैयद सुरीदीन 10-5-113-नया सैमदनगर, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 335 III मंजिला पर चन्द्रालोक कामपलेकम III—एम० डी० रास्ता सीकीन्दाबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1606/78 उक्त रजिस्ट्री कार्यालय सीकीन्दाबाद में।

के० एम० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-2-79

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 फरवरी, 1979

निर्देश सं० 317/78-79-यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मूल्यांकन 26 है, तथा जो 139 महात्मा गांधी रोड, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकिन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख, जून, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मेसर्स यूनाइटेड बुल्डर्स 9-1-41 तबाक्कू बाजार सिकिन्दराबाद। (अन्तरक)

2. श्री भरत कुमार, सुन्दरमाल (का पुत्र) घर नं० 21-2-772 पटेल मार्केट, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संशुद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मूल्यांकन नं०—26 जमीन सतर, पैमिसेस नं०—1-7-27 से 34 और 1-7-206 से 228 पुराना नं०—139) महात्मा गांधी रास्ता, सिकिन्दराबाद में रजिस्टर नं०—1479/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकिन्दराबाद।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख:
मोहर:

प्रकट आई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 फरवरी 1979

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 318/78-79—यतः
मुझे के० एस० बेंकट रामन
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है
और जिनकी सं० मल्ला नं० 27 है, तथा जो 139 महात्मा गांधी
रास्ता सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1978
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य मास्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम का प्राग 269-ग के अनु-
सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स यूनाइटेड बुल्डर्स, प्लॉट नं० 9-1-41, तबाक्कू
बाजार, सिकन्दराबाद। (अन्तरक)

2. श्रीमती संगीता देवी, अरविंद कुमार की पति
मकान नं०—21-2-772, पटेल मार्केट, हैदराबाद।
(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्रवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अखोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होना, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मल्ला नं० 27, 139 सराजिनि देवी रास्ता, सिकन्दराबाद
में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1509/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय
सिकन्दराबाद में।

के० एस० बेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, हैदराबाद

तारीख :
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 फरवरी, 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 319/78-79—

यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक और जिसकी सं० मल्लि नं० 13 है, जो सरोजिनी देवी रास्ते में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मेमर्स यूनाटेड बिज्डर्स 9-1-41, तम्बाकू बाजार, सिकन्दराबाद (अन्तरक)

2. कुमारी प्रभा शाह दामोदर दास (की बेटी) मकान नं० 15-7-247, बेगम बाजार, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मल्लि नं० 13, जमीन का सत्ता प्रमिसेम नं० 1-7-21 से 34 तक, और 1-7-206 से 228 तक महात्मा गांधी रास्ता में सिकन्दराबाद में रजिस्ट्री डाक्यूमेंट नं० 1591/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-2-79

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 फरवरी, 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 320/78-79-यतः
मुझे के० एम० बेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मल्लि नं०-6 है, जो 1-2-27 से 34 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 78 में

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेमर्स यूनाटेड बिल्डर्स, कार्यालय नं० 9-1-41, तम्बाकू बाजार, सिकन्दराबाद। (अन्तरक)

2. श्री अंजनी कुमार, महिन्दर कुमार (का बेटा) मकान का नं० 21-7-650, गांधी बाजार, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क, में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मल्लि नं० 6 जमीन सत्ता, प्रेमिसेस नं० 1-7-27 से 34 तक और 1-7-206 से 228 तक महात्मा गांधी रास्ता, सिकन्दराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1786/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० एम० बेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 9-2-79
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269B(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

हायान, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 फरवरी, 1979

निदेश सं० आर० ए० सी० ने 321/78-79—यतः मुझे के० एम० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269B के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 539 है, जो बालाजी कालोनी निरूपति में स्थित है (और इसमें उपोबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, निरूपति में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-6-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से पूर्व किसी प्राय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या क्रिया धन या धन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना :-

1. श्री एल० बी० सुधाकर, कृष्ण मूर्ति (का बेटा) मकान नं० 359 बालाजी कालोनी, निरूपति, आन्ध्र प्रदेश (अन्तरक)

2. श्री पी० बलरामय्य चेट्टी चेंगल राय चेट्टी (का बेटा) मकान नं० 324 कोत्त विधि, निरूपति, आन्ध्र प्रदेश (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 539, बालाजी कालोनी, निरूपति चित्तूर जिला, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1767/78-79 रजिस्ट्री कार्यालय निरूपति में।

के० एम० वेंकट रामन

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

तारीख : 9-2-1979

सोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 फरवरी, 1979

निदेश नं० 346/78-79—यतः मुझे के० एस० बेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय नं० 106 है, जो सागर व्यू घर दीमलगुडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 78

में पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मेसर्स स्वास्तिक बिल्डर्स 1-2-524/3, दीमलगुडा, हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्री पी० नागेश्वरराउ 108 शान्तिनगर, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय धर नं० 106 पहली सला पर सागर व्यू सक्कान दीमलगुडा हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2162/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० बेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-2-1979

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 फरवरी 1979

निदेश सं० 347/78-79—यत मुझे के० एस० वेंकट
 रामन
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रुपये से अधिक है
 और जिसकी सं० कार्यालय नं० 212 है, जो सागरबुधर
 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
 और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
 कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1978
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
 पन्नाह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रतीत :—

6—526GI/78

1. मेमर्स स्वास्त्रिक बिल्डर्स 1-2-524/3 वीमलगुडा,
 हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्री जी० पुरपोत्तम राव घर नं० 1-2-43/1
 गगन महल रास्ता हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 212 हमारे मंजिल पर सागरबु मकान
 1-2-524/3 दोमलगुडा हैदराबाद रजिस्ट्री वस्तावेज नं०
 2320/78 उक्त रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

वे० एस० वेंकट रामन
 सक्षम अधिकारी
 (सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, हैदराबाद)

तारीख 13-2-79
 मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 फरवरी 1979

निदेश नं० 348/78-79—यत मुझे के० एस० वेंकट-रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मलगी नं० 17, घर है, जो नं० 5-8-522 धीरागली लेन में स्थित है (और उससे उपावद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1978 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाँहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जगदीश परशदा 21-1-293 रिकाब गंज, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्रीमती लक्ष्मी बाई पति जगदीश परशदा 21-1-293 रिकाबगंज, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 17 घर नं० 5-8-522 धीरागली लेन हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2287/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में—

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख 13-2-1979

मोहरः

प्रारूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 फरवरी 1979

निर्देश नं० 349/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है

और ज़मीन सं० कुली जगा नं० 3-5-1082 नारायनगुडा हैदराबाद है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्वर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्वर्ण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव को बाधित, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) से अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धार्यातः :—

1. श्री सुखेन्द्र पिता स्वर्गीय बी० गुरवय्या 3-5-1082 नारायनगुडा, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. डाक्टर कविता पति डाक्टर के० रामानुजाचारी घर नं० 3-4-703 नारायनगुडा, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं; वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुली जमीन नं० 3-5-1082 जैसवाल गली नारायनगुडा हैदराबाद बीस्तर्न 732 बरीयार्ड रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2061/78 उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-2-79
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 फरवरी, 1979

निदेश नं० 350/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट
रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 9 है, जो मुरलीधर बाग
हैदराबाद, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के,
कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्लिखित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 289-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना:—

1. श्री दीनेश कुमार पटेल (2) रादामाई पति स्वर्गीय
के० एस० पटेल (3) मीनाकुमारी (4) रेकाकुमारी
(5) पीयूष कुमार —3-6-65/1 बशीरबाग, हैदराबाद
(अन्तरक)

2 श्री आर० महेश रेड्डी (वकील) कायरय गाऊ
मेदक तालुक। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

कुली जमीन नं० 9 मुरलीधरबाग हैदराबाद, हैदराबाद
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2337/78 उप-रजिस्ट्री कार्यालय,
हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, हैदराबाद

तारीख : 15-2-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 फरवरी 1979

निदेश सं० 351/78-79—यतः मुझे, के० एस०

वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० घर का भाग 3-6-209 है जो हीमायतनगर, हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) तारीख जून, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्षातुः—

1. श्रीमती जीलानी बीराय पती स्वर्गीय सैयद अब्दुल कादर रजबू 5-9-209/40 धीरागली लेन, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्रीमती श्री अरविन्द येस वेसली पती जेला जाउ वेसली 3-6-209 हीमायतनगर, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 3-6-209 हीमायतनगर, हैदराबाद वीस्टन 895 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2379/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-2-79

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.—
 प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-ब (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 फरवरी 1979

निदेश सं० 352/78-79—यतः, मुझे, के० एस० वेंकट
 रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जमीन सर्वे नं० 30 है, जो तीरूमल-गोरी, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों, का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, मैं, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती सावित्री पती वी० सुन्दरम 5-2-10
 हैदराबादी, सिकन्दराबाद। (अन्तरक)

2. दी पोस्टल उद्योग कोओपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी
 52-ए, मवास्तीयन रास्ता, सिकन्दराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रयोक्तृतापत्री के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अतः सूची

खुली जमीन सर्वे नं० 30 तीरूमल गोरी सिकन्दराबाद
 बीस्तन 12400 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1522/78
 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन
 सक्षम अधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-2-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

द्वारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 फरवरी 1979

निदेश सं० 353/78-79—यतः मुझे, के० एम० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० वीयाम सर्वे नं० 30 जमीन है जो, तीरु-मलगिरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से वर्धित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी पार की वास्तव उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-क अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के प्रश्न विनिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती भरखती पति जे० लक्ष्मीनर्मम 5-2-10 हैबरबस्ती सिकन्दराबाद। (अन्तरक)

2. दि डाक तार उद्योग को-ऑपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी 52-ए मव्स्टीयन रास्ता, सिकन्दराबाद में। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन सर्वे नं० 30 वीस्टन 12400 वर्ग यार्ड तीरुमलगिरी गांव सिकन्दराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1528/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय, सिकन्दराबाद में।

के० एम० वेंकट रामन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-2-1979

मोहर :

प्ररूप आई टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 फरवरी 1979

निवेदन सं० 354/78-79—यतः, 'मुझे के० एम० वेंकट
रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का भाग सर्वे नं० 30, है : जो तीरूमलगीरी में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री वी० वी० रामन पिता स्वर्गीय ए० वैद्यानाथ
अपार. 5-2-10 हैदरवस्ती, सिकन्दराबाद। (अन्तरक)

2. दी पोस्टल एम्पलाईज को-ऑपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी
52-ए सबस्टेशन रास्ता, सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन का भाग सर्वे नं० 30 जिसका वीस्टन 12400 वर्ग यार्ड तीरूमलगीरी सिकन्दराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1537/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय, सिकन्दराबाद में।

के० एम० वेंकट रामन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-2-1979
मोहर :

प्रकट आई० टी० एम० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 फरवरी 1979

निर्देश नं० 355/78-79—यतः मुझे के० एम० वेंकट

रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 30 में भाग जमीन है, जो
तीरमलगिरी में स्थित है (और इसमें 'उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तविक बहि-
नयम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया
जाना चाहे या, सिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

P-526 GI/78

1. श्री बी० बी० रामन पिता स्वर्गीय ये० वैद्यानातन
श्रेयार घर नं० 5-2-10 हैदराबादी, सिकन्दराबाद। (अन्तरक)

2. श्री राजा लाल श्याम ब्रह्मपट्ट श्रीमंगल सासायटी,
52-ए, सिकन्दराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजनन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजनन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन नं० 30 में कुच्चा भाग बीस्तेन 12400
वर्ग यार्ड तीरमलगिरी गओं-सिकन्दराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज
नं० 1541/78 उप-रजिस्ट्री कार्यालय, सिकन्दराबाद में।

के० एम० वेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, हैदराबाद

तारीख : 16-2-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 फरवरी 1979

निदेश सं० 356/78-79—यतः मुझे के० एम० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 4-44-सर्वे नं० 7 है, जो दरगाह हुसैन शक्ली में स्थित है (और इससे उपबाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भव्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना—

1. श्री सरहदी इलयास अमदी पिता सेत शोक हसन अमदी बैतुलनूर रास्ता नं० 1 बनजारी हिल्स, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. दी श्रीसीसी ऐजुकेशन सोसायटी उमका अदीपती बी० एल० नारायण घर नं० 4-44—दरगाह हुसैन शक्ली, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, घोषणा-अरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 4-44 और खुली जमीन सर्वे नं० 7—दरगाह हुसैन शक्ली दरगा, हैदराबाद वेस्ट वीस्तेन 3.01 एकड़ और 50 वर्ग यार्ड (12300 वर्ग मीटर) है रजिस्ट्री-दस्तावेज नं० 2435/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में।

के० एम० वेंकट रामन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-2-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 27 फरवरी 1979

निर्देश सं० सी० ए० 5/एस० आर० करबीर/अनुसूची 78/414—यतः मुझे, श्रीमती पी० ललवानी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट क्र० 58, प्रतिभानगर है तथा जो कोल्हापुर में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार करवरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-10-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों के अधीतः—

1. श्रीमती मीरा अभ्युत भागवन 58, प्रतिभानगर, कोल्हापुर। (अन्तरक)

2. श्री पुरुषोत्तम वासुदेव देशपांडे 2049, 11वीं गली, राजारामपुरी, कोल्हापुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापटी :—प्लॉट क्र० 58, प्रतिभानगर को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, कोल्हापुर।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 2592 दिनांक 7-10-78 को सब रजिस्ट्रार करवरी के दफ्तर में लिखा है)।

श्रीमती पी० ललवानी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 27-2-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना-411004, दिनांक 27 फरवरी 1979

निर्देश सं० सी० ए० 5/एस० आर० बारसी/अक्तूबर
78/417—यतः मुझे, श्रीमती पी० ललबानी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० सी० टी० सर्वे क्र० 2902, 2900 है
तथा जो बारसी ता० सोलापुर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार बारसी में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 9-10-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में वास्तविक रूप में स्थित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पुरुषोत्तम भगवत सुलाख 1180/4 शिवाजी
नगर, पुना-5

(अन्तरक)

2. (1) डा० जवाहरलाल मोतीलाल दोशी

(2) श्री मोती लाल जीवन दोशी, सोलापुर रोड,
बारसी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्रापटी :—सीटी सर्वे क्र० 2902, 2900 बारसी,
जिला सोलापुर ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत बिलेख क्र० 1724, दिनांक
9-10-78 को सब रजिस्ट्रार बारसी के दफ्तर में लिखा
है)

श्रीमती पी० ललबानी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

तारीख : 27-2-1979

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 27 फरवरी 1979

निर्देश सं० सी० ए० 5/एस० आर० कराड/सप्टेंबर
78/412—यतः मुझे, श्रीमती पी० ललबानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है,

और जिसकी सं० आर० एस० क्र० 699/1 है तथा जो
कराड जि० सतारा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-
पूर्वी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय सब रजिस्ट्रार कराड में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
4-9-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये घनत्वित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अथः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत्त में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अपात् :-

1. (1) श्री व्यंकटेश पांडुरंग जोशी
- (2) श्री रामचंद्र व्यंकटेश जोशी
- (3) श्री लक्ष्मण व्यंकटेश जोशी
- (4) श्री भिवक व्यंकटेश जोशी, मांगली

(अन्तरक)

2. (1) श्री लालचंद छोटालाल शहा
- (2) श्री पोपटलाल छोटालाल शहा, 122, शनवार
पेठ, कराड जिला सतारा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उन सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पाम लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा : आर० एस० क्र० 699/1 कराड
जि० सतारा।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत खिलख क्र० 2509, दिनांक
4-9-78 का सब रजिस्ट्रार कराड के दफ्तर में लिखा
है)

श्रीमती पी० ललबानी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, पूना

तारीख : 27-2-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजुन रेंज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 27 फरवरी 1979

निर्देश सं० सी० ए० 5/एस० आर० धुलिया/अग्रस्त
78/416—यतः मुझे, श्रीमती पी० ललवानी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है
और जिसकी सं० सीटी सर्वे क्र० 1413, गली क्र० 4 है,
तथा जो धुलिया में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय सब रजिस्ट्रार धुलिया में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-8-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरास्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उपके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती-
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐनो किसी आग या किसी धन या अन्य भास्तिर्यों
को जिरहें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृषा के लिये;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः—

1. श्री गजानन दत्तात्रय नामपूरकर

(2) श्रीमती रमाबाई दत्तात्रय नामपूरकर आवर्धनगर,
पूना-9। (अन्तरक)

2. श्रीमती वसुलाबाई वनजी कोठाविद निजामपुर, ता०
साक्री, जि० धुलिया। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रापटीः—सीटी सर्वे क्र० 1413, गली क्र० 4, धुलिया,
क्षेत्रफल—181.4 वर्ग मीटर।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 1924, दिनांक
9-8-1978 को सब रजिस्ट्रार धुलिया के दफ्तर में लिखा
है)

श्रीमती पी० ललवानी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पूना।

तारीख : 27-2-1979

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 27 फरवरी 1979

निर्देश सं० सी० ए० 5/एस० आर० गांधीमलाज/अग्रस्त
78/415—यतः मुझे, श्रीमती पी० ललवानी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० क्र० 122, प्लॉट क्र० 12,
है तथा जो गांधीमलाज में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार गांधीमलाज में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
22-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों
को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
अनु-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती आशा नरमण जोशी, जोशी गली, आजरा
बोहापुर। (अन्तरक)

2. (1) श्रीमती प्रमिलाबाई गनप्पा प्रसादी
(2) श्री विष्णुनाथ गनप्पा प्रसादी
(3) श्री मदानंद गनप्पा प्रसादी
(4) श्री शशीकांत गनप्पा प्रसादी गांधीमलाज,
कोलहापुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापटी:—आर० एस० क्र० 122, प्लॉट क्र० 12
गांधीमलाज।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विवेक क्र० 1601, दिनांक
22-8-1978 को सब रजिस्ट्रार गांधीमलाज के दफ्तर में
लिखा है)

श्रीमती पी० ललवानी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जेंट रेंज, पूना।

तारीख: 27-2-1979
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 27 फरवरी 1979

निर्देश सं० सी० ए० 5/एम० आर० कराड/सितम्बर
78/413—यतः मुझे, श्रीमती पी० ललवानी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० आर० एस० क्र० 699/2/1 है तथा जो
कराड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सब रजिस्ट्रार कराड में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-9-1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती इंदिराबाई अंकर जोशी गुलमोहर साने
गुरुजी मार्ग, पूना-30। (अन्तरक)

2. श्री लालनंद छोटालाल शहा 2, पोपटलाल छोटालाल
शहा, 122, शनिवार पेठ कराड, जिला सतारा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का दफ़्ता:—आर० एस० क्र० 699/2/1,
कराड, जि० सतारा, डे० आर० 0.37।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 2519/ दिनांक
4-9-78 को सब रजिस्ट्रार कराड के दफ़्तर में लिखा है)

श्रीमती पी० ललवानी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पूना।

तारीख: 27-2-1979
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 9 मार्च 1979

निर्णय सं०

यन: मुझे राजेन्द्र नाथ बरा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० पट्टा सं० 9, 34, 63, 65 दाग सं० 306, 307, 308, 309, 260, 310, 305, 311 व 259 है तथा जो मौजा गंगवार धुमक ग्राम—हैलाकाण्डी टाउन का लक्ष्मीनगर में स्थित है (और इससे उगाबद्ध अनुगुची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैलाकाण्डी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-6-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा, 269 ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1), के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

8-526G1/78

1. श्री विनय कुमार सोम, 2. श्री केदार दे और (3) श्री मोती लाल दे हैलाकाण्डी का (अन्तरक)

2. श्रीमती प्रीति रानी नान्दी, श्री नालिनी कान्त नन्दी की पत्नी, लामा पिना रोड़, शिलांग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संशुद्धि तरंगः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का माप 2 (दो) बिगहा 11 (ग्यारह) कट्टा 7 (सात) छटांक एक अमम टाटप मकान के साथ जो 1,000 (एक हजार) स्क्वायर फीट में है और हैलाकाण्डी टाउन के लक्ष्मीनगर, कृत्ता कछार (अमम) में स्थित है।

राजेन्द्र नाथ बरा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, शिलांग।

तारीख : 9-3-1979

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन 57 रामतीर्थ मार्ग लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 17 फरवरी, 1979

निर्देश सं० 27-एन०/एनवो—अनः मुझे अमर मिह
विसेन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो सिविल लाइन मुरादाबाद
में स्थित है (और हमारे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रार प्राधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद
में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 10-3-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

1. श्री रामरंग पुत्र राम दिता भल (अन्तरक)

2. श्री लक्ष्मण कुमार पुरी व दर्शन कुमार पुरी
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 2C-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनसूची

एक किता प्लॉट रकबा 500 वर्गगज है। जो कि सिविल
लाइन मुरादाबाद में स्थित है व सम्पत्ति का वह सब
विवरण जो कि सेलडीड तथा फार्म 37-जी० नं० 3876
में वर्णित है और सब रजिस्ट्रार मुरादाबाद के कार्यालय
में 10-8-78 को दर्ज है।

अमर मिह विसेन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 17-2-78
मोहर :

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

भारत वन सेवा परीक्षा, 1979

सं० एफ० 13/3/78-ई०-I (बी०)

नई दिल्ली-110011, दिनांक 31 मार्च, 1979

भारत के राजपत्र दिनांक 31 मार्च, 1979 गृह मंत्रालय (कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार भारतीय वन सेवा में भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ग्रहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, चण्डीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, दिसपुर (गोहाटा), हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पणजी (गोवा), पटना, पोर्ट ब्लेयर, शिलांग, शिमला, श्रीनगर तथा त्रिवेन्द्रम, में 21 अगस्त, 1979 से एक प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी।

आयोग यदि चाहे तो, परीक्षा के उपर्युक्त केंद्रों तथा उसके प्रारंभ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश प्राप्त उम्मीदवारों को परीक्षा की समय सांगी तथा स्थान अथवा स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा। (देखिए अनुबन्ध, पृष्ठ 11)।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों का अनुमानित संख्या 100 है, (इनमें अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के 15 रिक्तियाँ और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए 7 रिक्तियाँ सम्मिलित हैं)। इस संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।

3. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर राखिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से सम्बद्ध पूर्ण विवरण का स्पष्ट भेज कर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि राखिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को मनीऑर्डर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय भारतीय पोस्टल ऑर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीऑर्डर/पोस्टल ऑर्डर के स्थान पर बैंक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन-प्रपत्र आयोग के काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। दो रुपए का यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

नोट.—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र भारतीय वन सेवा परीक्षा, 1979 के लिए निर्धारित, मुद्रित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। भारतीय वन सेवा परीक्षा, 1979 के लिए निर्धारित आवेदन-प्रपत्रों से हतर प्रपत्रों पर भरे हुए आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

4. भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ राखिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, के पास 23 मई, 1978 (28 मई, 1979 से पहले) की तारीख से विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 14 मई, 1979 तक अवश्य पहुंचाना चाहिए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में या लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवार से, आयोग यदि चाहे तो, इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 14 मई, 1979 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में या लक्षद्वीप में रह रहा था।

5. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को र० 48.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के मामले में र० 12.00) का शुल्क भेजना होगा जो कि सचिव, संघ लोक

सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल ऑर्डर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की मुख्य शाखा नई दिल्ली में देय स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की किसी भी शाखा में जारी किए गए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में हो।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित शुल्क भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि के कार्यालय में जमा करना होगा ताकि वह "051 लोक सेवा आयोग—परीक्षा शुल्क" के लेखाशीर्ष में जमा हो जाए और आवेदन-पत्र के साथ उसकी रसीद लगा कर भेजना चाहिए।

जिन आवेदन-पत्रों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एक दम अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होगा जो नीचे के पैरा 6 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क में छूट चाहते हैं।

6. आयोग, यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात से सतुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है या बर्मा से वास्तविक रूप से प्रत्यार्पित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है या वह एक मूलतः भारतीय व्यक्ति है जो अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है या आने वाला है।

7. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो तो उसे र० 30/- (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के मामले में र० 8.00) की राशि वापस कर दी जाएगी।

उपर्युक्त उपबन्धित व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी भी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या श्रवण के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

8. आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने के बाद उम्मीदवारी की वापसी के लिए उम्मीदवार के किसी प्रकार के अनुरोध पर किसी भी परिस्थिति में विचार नहीं किया जाएगा।

आर० एस० ग्रहमदालय
उप सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

अनुबन्ध

उम्मीदवारों को अनुदेश

1. उम्मीदवार को आवेदन-पत्र भरने से पहले अपनी पात्रता समझ लेने के लिए नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़ लेना चाहिए। निर्धारित शर्तों में कोई छूट नहीं दी जा सकती है।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैराग्राफ 1 में दिए गए केंद्रों में किसी एक को, जहां वह परीक्षा देने का इच्छुक है, अंतिम रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से संबंध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

2. उम्मीदवार को आवेदन-प्रपत्र तथा पात्रता कार्ड अपने हाथ से ही भरने चाहिए। अधुना या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

सभी उम्मीदवारों को, चाहे वे पहले से सरकारी नौकरी में हों या सरकारी औद्योगिक उपक्रमों में या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में हों या गैर सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों, अपने आवेदन-पत्र आयोग को सीधे भेजने चाहिए। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा

हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में दूर से पहुंचा हो तो उस आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियुक्ता को आखिरी तारीख से पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से सरकारी नौकरी में, स्थायी या अस्थायी हैमिपत में काम कर रहे हों या किसी काम के लिए विशिष्ट रूप से नियुक्त कर्मचारी हों जिसमें आकस्मिक या दैनिक दूर पर नियुक्त व्यक्ति शामिल नहीं है, उनकी इस परीक्षा में अंतिम रूप में प्रवेश पाने के पहले अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को अनुमति प्राप्त करनी चाहिए। उनको चाहिए कि वे अपने आवेदन-पत्र को, उसके अंत में संलग्न प्रमाण-पत्र की दो प्रतियां निकाल कर, आयोग में भीजे भेज दें और प्रमाण-पत्र की उन प्रतियों को तत्काल अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को इस अनुरोध के साथ प्रस्तुत करें कि उक्त प्रमाण-पत्र की एक प्रति विधिवत् भर कर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली को जल्दी से जल्दी और किसी भी हालत में प्रमाण-पत्र को फार्म में निर्दिष्ट तारीख से पहले भेज दी जाए।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रमाण-पत्र अवश्य भेजने चाहिए।

- (i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक ड्राफ्ट या शुल्क भेजने के अपने दावे के समर्थन में प्रमाण पत्र की प्रमाणित/अप्रमाणित प्रति (देखिए, नोटिस का पैरा 5 और 6 और नीचे पैरा 6)।
- (ii) आयु के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (iii) वैधिक वीर्यता के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (iv) उम्मीदवार के हाल ही के पास पोट आकार [लगभग 5 सें० मी० 7 सें० मी०] के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां।
- (v) जहां आयु हों वहां अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाणपत्र की अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4)।
- (vi) जहां लागू हों वहां आयु में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 5)।
- (vii) उपस्थिति पत्रक (आवेदन पत्र के साथ संलग्न विधिवत् भरा हुआ है।

नोट:—उम्मीदवारों को आवेदन पत्रों के साथ उपर्युक्त मद (ii), (iii), (v) और (vi) पर उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतियां ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित हों अथवा स्वयं उम्मीदवार द्वारा सही रूप में सत्यापित हों। लिखित परीक्षा के परिणाम दिसम्बर, 1979 सहित में घोषित किए जाने की संभावना है। जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणामों के आधार पर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किए जाने के तुरन्त बाद उपर्युक्त प्रमाण-पत्रों की मूल प्रतियां प्रस्तुत करनी होंगी। उम्मीदवारों को इन प्रमाण-पत्रों को व्यक्तित्व परीक्षण के समय प्रस्तुत करने हेतु तैयार रखना चाहिए। जो उम्मीदवार उस समय अपेक्षित प्रमाण-पत्रों को मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करेंगे उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उनका आगे विचार किए जाने का दावा स्वीकार नहीं होगा।

उपर्युक्त पैरा 3 की मद (i) से (iv) तक उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे और पैरा 6 में दिए गए हैं और मद (v) और (vi) के विवरण पैरा 4 और 5 में दिए गए हैं।

(i) (क) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर।

प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः रेखांकित किया जाए तथा उस पर "सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाक्टर पर देय" लिखा जाना चाहिए।

किसी अन्य डाक्टर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे-फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

गंभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाक्टर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को यह अवश्य नोट कर लेना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर न तो रेखांकित किए गए हों और न ही सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के जनरल डाक्टर पर देय हो, उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

(ख) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट—

बैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की किसी शाखा में लिया जाना चाहिए और सचिव संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, की मुख्य शाखा नई दिल्ली में देय होना चाहिए तथा विधिवत् रेखांकित होना चाहिए।

किसी अन्य बैंक के नाम देय किए गए बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे-फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

(ii) आयु का प्रमाण पत्र —आयोग जन्म की यह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण पत्र यह किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित विश्वविद्यालय के मैट्रिक पास छात्रों के रजिस्टर के उद्धरण में दर्ज की गई हो। जिसे उम्मीदवार ने उच्चतर माध्यमिक परीक्षा अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र अथवा समकक्ष प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

अनुदेशों के इस मार्ग में आए मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित हैं।

कभी कभी मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या पूरे वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस संस्था के हेडमास्टर/प्रिन्सिपल से लिए गए प्रमाण पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से उनके मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के वाणिज्य रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में लिखी जन्म की तारीख मैट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्र में दी गई जन्म की तारीख से भिन्न हो और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

नोट 1.—जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करके माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो, उसे उस प्रमाण-पत्र की केवल आयु से संबंध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

नोट 2:—उम्मीदवार को ध्यान रखना चाहिए कि किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए उनके द्वारा जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने और आयोग द्वारा उनके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी अगली परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।

(iii) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण पत्र :—उम्मीदवार को एक प्रमाण पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए ताकि इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 5 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी (अर्थात् विश्वविद्यालय या किसी अन्य परीक्षा-निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे वह योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसा प्रमाण-पत्र न भेजा जाए, तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण अवश्य बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता से संबंध अपने दावे के प्रमाण में कोई अन्य साध्य प्रस्तुत करना चाहिए। आयोग इस साध्य की गुणवत्ता पर विचार करेगा, किन्तु वह उसे पक्षित मानने के लिए बाध्य नहीं है।

यदि किसी उम्मीदवार द्वारा अपनी शैक्षिक योग्यताओं के समर्थन में किसी परीक्षा में उत्तीर्ण होने के संबंध विश्वविद्यालय के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि में परीक्षा के विषय नहीं दिए गए हों, तो उसे विश्वविद्यालय के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त, प्रिंसिपल/विभागाध्यक्ष से इस आणय का एक प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि अवश्य भेजना चाहिए कि उसने नियम 5 में निर्दिष्ट विषयों में अर्हक परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है।

नोट:—उन उम्मीदवारों को जो ऐसी परीक्षा में बैठ चुके हों जिससे उत्तीर्ण कर लेने पर वे आयोग की उक्त परीक्षा के लिए शैक्षिक दृष्टि से पात्र हो जाते हैं किन्तु इस परीक्षा का परिणाम सूचित न किया गया हो तथा ऐसे उम्मीदवारों को भी जो ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठना चाहते हों, आयोग की इस परीक्षा से प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

(iv) फोटोग्राफ :—उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 से० मी० X 7 से० मी०) के फोटो को दो एक जैसी प्रतियां अवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर और दूसरी प्रति उपास्थिता पत्रक में निर्धारित स्थान पर चिपका देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार की स्वाक्षरी में हस्ताक्षर करने चाहिए।

ध्यान दें:—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन पत्र के साथ उपर्युक्त पैराग्राफ 3 (ii), 3 (iii) और 3 (iv) के अंतर्गत उल्लिखित प्रमाणपत्रों में से कोई एक संलग्न न होगा और उसे न भेजने का कोई उचित स्पष्टीकरण नहीं दिया गया हो तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है तथा इस अस्वीकृति के विरुद्ध किसी अपील पर विचार नहीं किया जाएगा। जो प्रमाण-पत्र आवेदन-पत्र के साथ न भेजे गए हों उन्हें आवेदन पत्र भेजने के बाद भी भेज देना चाहिए और वे हर हालत में आयोग के कार्यालय में आवेदन-पत्र स्वीकार करने की अंतिम तारीख से एक महीने के भीतर अवश्य पहुंच जाना चाहिए, अन्यथा आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

4. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के, जिसमें उनके माता पिता (या जीवित माता या पिता) आमतौर से रहते हों, जिला अधिकारी या उप मंडल अधिकारी या निम्नलिखित किसी अन्य ऐसे अधिकारी, से जिसे संबंध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिए गए फार्म से प्रमाण-पत्र लेकर उनकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों को मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए, अर्थात् उम्मीदवार अपनी शिक्षा में पिता किसी अन्य पेशेवर ने आग तौर पर रहता हो।

भारत सरकार के पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म:—

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी*

मुपुत्र/मुपुत्री*/श्री

जो गांव/कस्बा*/जिला मंडल*

राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र

के/की*/निवासी हैं—

जाति/जन जाति के/की हैं जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति अनुसूचित जन जाति के रूप में मान्यता दी गई है।

संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश, 1950*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) आदेश, 1950*

संविधान (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951*

[अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां सूची (आशोधन), आदेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम 1970 और उत्तरी पूर्वांचल पुनर्गठन अधिनियम 1971 और अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम 1976 द्वारा यथा संशोधित।]

संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जातियां, आदेश, 1956*

संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1959* अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित।

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1962*

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967*

संविधान (गोवा, दमन तथा दियू) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968*

संविधान (गोवा, दमन तथा दियू) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1968*

संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1970*

2. श्री/श्रीमती/कुमारी*

श्रीर/या* उनका परिवार आम तौर से गांव/कस्बा*

में जिला/मंडल*

संघ* राज्य क्षेत्र

में

रहते/रहती* हैं।

हस्ताक्षर—

**पदनाम—

(कार्यालय की मोहर)

स्थान—

तारीख—

राज्य*

संघ राज्य क्षेत्र

*जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया काट दें।

नोट :—यहां "आमतौर से रहने/रहता है" का अर्थ वही होगा जो "रिप्रेजेंटेशन आफ दि पीपुल एक्ट, 1950" का धारा 20 में है।

**अनुसूचित जाति/जन जाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए गक्षम अधिकारी।

(i) (जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/कानून्स/डिप्टी कमिशनर/एडीशनल डिप्टी कमिशनर/डिप्टी कानून्स/प्रथम श्रेणी का स्टाफ-पेडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/सब-डिविजनल मैजिस्ट्रेट/तालुक मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेंट कमिशनर।

† (प्रथम श्रेणी का स्टाफ-पेडरी मैजिस्ट्रेट से कम आहूदे का नहीं।)

(ii) चीफ प्रमिटेन्सी मैजिस्ट्रेट/एडीशनल चीफ प्रमिटेन्सी मैजिस्ट्रेट/प्रमिटेन्सी मैजिस्ट्रेट।

(iii) रेवेन्यू अफसर, जिनका आहूदा तहसीलवार से कम न हो।

(iv) उस इलाके का सब-डिविजनल अफसर जहां उम्मीदवार और या उसका परिवार आम तौर से रहता हो।

(v) एडमिनिस्ट्रेटर/एडमिनिस्ट्रेटर का सचिव / डेवलपमेंट अफसर, लक्षद्वीप।

5 (i) (क) नियम 4 (ख) (ii) अथवा 4 (ख) (iii) के अन्तर्गत आयु में छूट और/या नोटिस के पैरा 6 के अनुसार शुल्क से छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) में वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में प्रजनन कर भारत आया है।

(1) दंडकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केंद्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित सहायता शिविरों के कैम्प कमांडेंट।

(2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट जहां वह इस समय निवास कर रहा है।

(3) संबद्ध जिलों में शरणार्थी पुनर्वासि कार्य के प्रभारी अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट।

(4) अपने ही कार्यभार के अधीन, संबद्ध डिविजन का सब-डिविजनल अफसर।

(5) उप शरणार्थी पुनर्वासि आयुक्त, पश्चिमी बंगाल/निदेशक (पुनर्वासि), कलकत्ता।

(ii) नियम 6 (ख) (iv) अथवा 6 (ख) (v) के अन्तर्गत आयु में छूट और/या नोटिस के पैरा 6 के अनुसार शुल्क से छूट का दावा करने वाले श्रीलंका से प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाले मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिए गए इस आशय के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है या आने वाला है।

(iii) नियम 4 (ख) (vi) अथवा 4 (ख) (vii) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट और/या नोटिस के पैरा 6 के अनुसार शुल्क में छूट का दावा करने वाले वर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास रंगून द्वारा दिये गये पहिचान प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि

यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वर्मा से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है।

(iv) नियम 4 (ख) (viii) अथवा (ख) (ix) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए, विक्लांग हुआ है, महानिदेशक, पुनर्वासि, रक्षा मंत्रालय से नीचे दिए हुए निर्धारित फार्म पर लिए गये प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिप्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म।

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट —————

के रैंक नं० ————— श्री —————
रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में/अशांतिप्रस्त* क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर —————

पदनाम —————

तारीख —————

*जो शब्द लागू न हों उसे कृपया काट दें।

(v) नियम 4 (ख) (x) या 4 (ख) (xi) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाले उम्मीदवार को, जो सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक, सीमा सुरक्षा दल, गृह मंत्रालय से नीचे निर्धारित फार्म पर लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए, 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान फौजी कार्रवाई में विकलांग हुआ और उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म।

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट —————

के रैंक नं० ————— श्री —————
सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए, 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान फौजी कार्रवाई में विकलांग हुए और विकलांगता के परिणाम स्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर —————

पदनाम —————

तारीख —————

(vi) नियम 4 (ख) (xii) के अन्तर्गत आयु में छूट का दावा करने वाले वियतनाम से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को, फिलहाल जिस क्षेत्र का वह निवासी है, उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिये गये प्रमाण पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह वियतनाम से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है।

(vii) नियम 4 (ख) (xiii) के अन्तर्गत आयु में छूट चाहने वाले कीनिया, उगांडा, तथा गंयकत गणराज्य तंजानिया से प्रजनन कर आए हुए या आम्बिया, मलावी, जेरे तथा इथियोपिया से प्रत्यावर्तित हुए उम्मीदवार को उस क्षेत्र के जिला मैजिस्ट्रेट से जहां वह इस समय निवास कर रहा है, लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वास्तव में उपर्युक्त देशों में प्रजनन कर आया है।

(viii) नियम 4 (ग) के अन्तर्गत आयु से छूट का दावा करने वाले उम्मीदवार को (i) निरोधक प्राधिकारी से उनकी सुहर लगे प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिये जिसमें यह लिखा हो कि उक्त उम्मीदवार आन्तरिक सुरक्षा अन्तर्क्षण अधिनियम के अन्तर्गत निरुद्ध हुआ था या (ii) जिस उपमण्डल मजिस्ट्रेट के क्षेत्राधिकार में वह रहता था उसके प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिये जिसमें यह लिखा हो कि उम्मीदवार भारत रक्षा तथा आन्तरिक सुरक्षा अधिनियम, 1971 या उसके अन्तर्गत बने नियमों के अन्तर्गत गिरफ्तार या कैद हुआ था और जिसमें वे तारीखें विनिर्दिष्ट हों जिनके बीच वह गिरफ्तार या कैद रहा था तथा जिसमें प्रमाणित हो कि निरोध या गिरफ्तारी या कैद, जैसी भी स्थिति हो, उम्मीदवार के राजनैतिक संबंधों या कार्यवालायों या तत्कालीन प्रतिबन्धित संगठनों से उसके संबंध रखने के अनुसरण में थी।

6 जो उम्मीदवार उपपर पैरा 5 (i), (ii) और (iii) में से किसी भी वर्ग के अन्तर्गत नोटिस के पैरा 6 के अनुसार शुल्क से छूट का दावा करता है, उसको किसी जिला अधिकारी या सचिव के राजपत्रित अधिकारी या संवद सदस्य या राज्य विधान सभल के सदस्य से, यह दिखाने के लिए कि वह निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है, इस आणख का एक प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिनिधि भी प्रस्तुत करनी होगी।

7. जिस किसी व्यक्ति के लिए पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव भारत सरकार, गृह मंत्रालय (कार्मिक तथा प्रणायनिक सुधार विभाग) द्वारा आवश्यक पात्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिए जाने के बाद ही दिया जाएगा।

8. उम्मीदवारों को ज्ञेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरने समय कोई झूठा व्योरा न दे और न ही किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाएं।

उम्मीदवारों को यह भी ज्ञेतावनी दी जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रसेख अथवा उसकी प्रतिनिधि की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें न उसमें परिवर्तन करें, और न कोई फेरबदल करें और न ही फेरबदल किए गए/छूटे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या अधिक प्रमाण-पत्रों या उनकी प्रतियों में कोई अणुद्धि अथवा विमंगति हो तो विमंगति के संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

9. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत किए जाने पर वेरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन प्रपत्र ही असूक तारीख को भेजा गया था। आवेदन-प्रपत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया हो।

10. यदि परीक्षा से संबंधित आवेदन-पत्रों के पहुंच जाने की आखिरी तारीख से एक महीने के भीतर उम्मीदवार का अपने आवेदन-पत्र को पावता न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिए आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए।

11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के आरंभ होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल संपर्क करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

12. निम्नलिखित पांच परीक्षाओं की नियमावली तथा प्रश्न-पत्रों से युक्त पुस्तिकाएँ प्रकाशन नियंत्रक, मिथिल लाइन्स, दिल्ली-110054 के यहाँ बित्री के लिए मिलनी हैं और उन्हें उनके यहाँ से सीधे मेल आर्डर या नकद भुगतान द्वारा प्राप्त किया जा सकता है। केवल नकद भुगतान द्वारा उन्हें (i) किताब महान, रिवांली गिनेमा के सामने, एम्पोरिया बिल्डिंग, "सी" ब्लॉक, बाबा खड़क सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001, (ii) विषी केन्द्र उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 तथा (iii) गवर्नमेंट आफ इंडिया बुक डिपो, 9 के० एम० राय रोड, कलकत्ता-1 में भी प्राप्त किया जा सकता है। ये पुस्तिकाएँ विभिन्न मुफ्तमिल तगरो में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की सकती हैं।

13. आवेदन-पत्र से संबंधित पत्र व्यवहार :—आवेदन-पत्र से संबंधित सभी पत्र आदि सजिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को भेजे जाएं तथा उनसे नीचे लिखा व्योरा अनिवार्य रूप से दिया जाए :—

- (1) परीक्षा का नाम।
- (2) परीक्षा का महीना और वर्ग।
- (3) रोल नम्बर अथवा उम्मीदवार की जन्म तिथि, यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया हो।
- (4) उम्मीदवार का नाम पूरा तथा बड़े अक्षरों में।
- (5) आवेदन-पत्र में दिया गया पत्र-व्यवहार का पता।

ध्यान दें :—जिन पत्रों आदि में यह व्योरा नहीं होगा संभव है उन पर ध्यान नहीं दिया जाए।

14. पत्रों में परिवर्तन :—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पत्र पर भेजे गए पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पत्र पर मिल जाया करें। पत्रों में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पैरा 13 में उल्लिखित व्योरे के साथ यथाशीघ्र दी जानी चाहिए। यद्यपि आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं करता।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 12th March 1979

No. A 32014/2/76-Admn.III.—In continuation of this office notification of even number dated the 27th November 1978, the President is pleased to appoint, under proviso to Rule 10 of the C.S.S. Rules, 1962, Shri A. Gopalakrishnan, a Selection Grade Officer of the C.S.S.S. (Grade A of the C.S.S.S.) cadre of Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission for a further period from 1-3-1979 to 31-5-1979 or until further orders, whichever is earlier.

B. N. SOM
Deputy Secretary
(Incharge of Administration)
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
(DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.)
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 8th March 1979

No. A-19019/1/79-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri B. K. Panigrahi IPS (Orissa : 1952) as Joint Director, Central Bureau of Investigation and Special Inspector General of Police, Special Police Establishment, with effect from the forenoon of 1st February, 1979 and until further orders.

The 12th March 1979

No. S-14/74-Ad.V.—The President is pleased to appoint Dr. (Miss) S. Sivaram to officiate as Deputy Director, C.F.S.L., C.B.I., with effect from the afternoon of the 24th February, 1979 and until further orders.

The 13th March 1979

No. N-36/66-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri N. J. Karnik, an Officer of Maharashtra State Police, to officiate as Supdt. of Police in the Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment with effect from 1-3-1979 (F.N.) and until further orders.

S. K. JHA
Deputy Director (Admn.)
Central Bureau of Investigation

New Delhi, the 8th March 1979

No. A-35018/4/78-Ad.I.—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri D. B. Bhende, Inspector of Gujarat State Police, on deputation as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment Division of the Central Bureau of Investigation, GOW Bombay Branch in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 21-12-78 until further orders.

No. A-35018/6/78-Ad.I.—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri B. S. Sethi, Inspector of Gujarat State Police, on deputation as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment Division of the Central Bureau of Investigation Ahmedabad Branch in temporary capacity, with effect from the forenoon of 18-2-79 until further orders.

JARNAIL SINGH
Administrative Officer (E)
Central Bureau of Investigation

New Delhi, the 12th March 1979

No. P-77/68-AD.V.—On the expiry of his term of re-employment, Shri P. Pothalai, Dy. Supdt. of Police, C.B.I., relinquished charge of the Office of Dy. Supdt. of Police in

Central Bureau of Investigation on the afternoon of 28-2-1979.

No. F-1/70-AD.V.—On the expiry of his term of deputation, the services of Shri Faqir Chand, Dy. S.P., CBI were placed back at the disposal of Haryana State Police with effect from the afternoon of 28-2-1979.

RIPDAMAN SINGH
Administrative Officer (A)
Central Bureau of Investigation

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 12th March 1979

No. O.II-755/70-Estt.—The President is pleased to accept resignation tendered by Dr. (Mrs.) Kavita Balchandani, GDO; Grade-II of Group Centre Hospital, CRPF Neemuch with effect from the forenoon of 8th June, 1978.

The 13th March 1979

No. O.II-1106/73-Estt.—Consequent on his retirement from Government service on attaining the age of superannuation, Shri R. D. Pandey relinquished charge of the post of Dy. S.P., 43 Bn., CRPF, on the afternoon of 28-2-1979.

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 9th March 1979

No. 11/1/77-Ad.I.—In supersession of this office notification of even number dated 5-7-1978, the President is pleased to appoint Shri S. K. Majumdar, an Office Superintendent in the office of the Director of Census Operations, West Bengal, as Assistant Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Uttar Pradesh at Lucknow, with his headquarters at Lucknow, on regular basis, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 13 September, 1978, until further orders.

No. 11/1/77-Ad.I.—In supersession of this office notification of even number dated 5-7-1978, the President is pleased to appoint Shri S. K. Pathak, Office Superintendent in the office of the Director of Census Operations, Bihar at Patna, as Assistant Director of Census Operations, on regular basis, in a temporary capacity, in the office of the Director of Census Operations, Manipur at Imphal, with his headquarters at Imphal, with effect from the forenoon of 13 September 1978, until further orders.

No. 11/1/77-Ad.I.—In supersession of this office notification of even number dated 5-7-1978, the President is pleased to appoint Shri B. D. Sharma, an Office Superintendent in the office of the Director of Census Operations, Himachal Pradesh, as Assistant Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Chandigarh UT at Chandigarh, with his headquarters at Chandigarh, on regular basis, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 13th September, 1978, until further orders.

P. PADMANABHA
Registrar General, India

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE A.G.C.R.

New Delhi, the 12th March 1979

No. Admn.I/O.O.-607/5-8/77-79/2564.—The Accountant General has ordered under 2nd proviso to F.R. 30(1), the proforma promotion of Shri L. N. Saxena, a permanent Section Officer of this office, to the grade of Accounts Officer, in the time scale of Rs. 840-1200, retrospectively with effect from the forenoon of 1st January, 1979, until further orders.

Sd/- ILLEGIBLE
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

MINISTRY OF DEFENCE
DIRECTORATE GENERAL ORDNANCE FACTORIES
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE
CORRIGENDUM

Calcutta, the 13th February 1979

No. 8/G/79.—Entries against Serial No. 1 of the Gazette Notification No. 44/74/G, dated 21-10-1974 may be substituted as under:—

- (1) Shri P. D. Joshi, Pt. Manager—8th July, 1974
 (Under 'next below Rule').

The 3rd March 1979

No. 9/G/79.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri U. K. Das, Subst. & Permt. Assistant Manager retired from service w.e.f. 28-2-1978 (A/N).

No. 15/79/G.—On expiry of 11 days Earned Leave granted to Shri N. S. Theeng, Offg. Manager (Substantive and Permanent Deputy Manager), he retired from service with effect from 30-11-1978 (A/N), on attaining the age of 58 years.

V. K. MEHTA
 Assistant Director General
 Assistant Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION

(DEPARTMENT OF COMMERCE)
 (OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF
 IMPORTS AND EXPORTS)

New Delhi, the 7th March, 1979

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
 (ESTABLISHMENT)

No. 6/765/65-Admn.(G)/2039.—Shri M. G. Talwar, an officiating Controller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay is dismissed from Government service with effect from the forenoon of the 20th December, 1978.

K. V. SESHADRI
 Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY
 (DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
 OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
 SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 3rd March 1979

No. 12(40)/61-Admn.(G).—The President is pleased to permit Shri K. C. Saha, an officer permanent as Deputy Director (Leather/Footwear) and officiating on *ad-hoc* basis as Director (Gr. II) (Leather/Footwear) in the Small Industry Development Organisation to retire from Government service on attaining the age of superannuation on the afternoon of 30-11-1978.

M. P. GUPTA
 Deputy Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(DEPARTMENT OF MINES)
 INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 5th March 1979

No. A19012(109)/78-Estt.A.—Shri S. N. Mitra, Senior Technical Assistant (Geology) is promoted to the post of Assistant Mining Geologist in Group 'B' post in the Indian 9—526GI/78

Bureau of Mines with effect from the forenoon of 20th February 1979, until further orders.

No. A-19011(254)/78-Estt.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Prem Srivastava, Asstt. Mining Geologist, Indian Bureau of Mines to the post of Asstt. Mineral Economist (Int.) in an officiating capacity with effect from the afternoon of 13-2-1979.

S. BALAGOPAL
 Head of Office
 Indian Bureau of Mines

Nagpur, the 5th March 1979

No. A-19012(43)/76-Estt.A.—In supersession of this Department's Notification of even number dated 22nd November, 1978, it is notified that on the recommendation of Union Public Service Commission, Shri D. N. Ghare, Officiating Deputy Librarian, Indian Bureau of Mines is appointed to officiate as Librarian in the Indian Bureau of Mines, with effect from the forenoon of 7th November, 1978, until further orders.

A. R. KASHAV,
 Administrative Officer
 Indian Bureau of Mines

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 9th March 1979

No. 6(140)/63-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri R. P. Mishra, Transmission Executive, All India Radio, Mathura as Programme Executive at the same Station in a temporary capacity with effect from 31st January, 1979 and until further orders.

H. D. KHERA,
 Deputy Director of Administration,
 for Director General.

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 7th March 1979

No. A.12026/20/78-Est.—The Director of Advertising & Visual Publicity hereby appoints Shri Om Parkash, a permanent Assistant, to officiate as Supervisor in this Directorate on usual deputation terms with effect from 20th February, 1979 (forenoon), until further orders.

2. Shri Krishan Dass, Supervisor relinquished the charge of the post with effect from the forenoon of 20th February, 1979.

R. NARAYAN,
 Deputy Director (Advtg.)
 for Director of Advertising & Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 8th March 1979

No. A.12025/7/78(HQ)Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri J. S. Manjul, Deputy Assistant Director General (School Health Education), Central Health Education Bureau, Directorate General of Health Services to the post of Deputy Director (School Health Education) in the same Bureau in a temporary capacity with effect from the afternoon of the 25th January, 1979 until further orders.

2. Consequent on his appointment to the post of Deputy Director (School Health Education), Shri J. S. Manjul relinquished charge of the post of Deputy Assistant Director General (School Health Education), Central Health Education Bureau, Directorate General of Health Services on the afternoon of the 25th January, 1979.

S. L. KUTHIALA,
 Deputy Director Administration (O&M)

**INDIAN POSTS AND TELEGRAPHS DEPARTMENT
OFFICE OF THE SUPERINTENDENT INCHARGE C.T.O.**

Jaipur, the 25th January 1979

*Notice of termination of service issued under Rule 5(1)
of the Central Civil Services (Temporary Services)
Rules 1965*

Memo No. P-339/10031.—In pursuance of Sub-rule (1) of Rule 5 of the Central Civil services (Temporary service) Rules 1965, I hereby give notice to Shri Sohanlal Meena T/Man (O) C.T.O. Jaipur that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which the notice is served on, or as the case may be, tendered to him.

Sd/- ILLEGIBLE
Superintendent Incharge
Central Telegraph office
Jaipur

Acknowledgement

I hereby acknowledge the receipt on this day of the notice of termination from service.

Signature of the individual
Designation
Place and date

**MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION
(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION
HEAD OFFICE**

Faridabad, the 8th March 1979

No. A-19023/69/78-A.III.—On the recommendations of the D.P.C., the following officers, who were working as Marketing Officer (Group I) on ad-hoc basis, have been promoted to officiate as Marketing Officer (Group I) on regular basis w.e.f. 18-12-78, until further orders.

1. Shri N. L. Kanta Rao
2. Shri U. D. Pande

B. L. MANIHAR,
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser
to the Govt. of India

**BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
(PERSONNEL DIVISION)**

Bombay-400085, the 21st February 1979

No. 7(12)/79-Confirmation/476.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, hereby appoints the undermentioned officers in a substantive capacity in the grade of Accounts Officer II in Bhabha Atomic Research Centre with effect from April 1, 1978 :—

Sl. No., Name, Present Grade, Name of the Unit in which serving at present & Permanent post held in B.A.R.C.

1. Shri K. G. R. Nair. Accounts Officer III, B.A.R.C. Accountant.
2. Shri V. Ramaswamy Accounts Officer III D.A.E. Asstt. Acctt. Officer.

New Delhi, the 3rd March, 1979

No. A. 32013/9/78-EC.—The President is pleased to appoint the following three Assistant Technical Officers to the grade of Technical Officer on ad-hoc basis for a period of six months or till the vacancies are available whichever is earlier with effect from the date indicated against each and to post them to station indicated against each :—

S. No.	Name & Designation	Station of posting	Station to which posted	Date of taking over charge
1	2	3	4	5
	S/Shri			
1.	O. P. Chabra, Technical Officer	Aero. Comm. Stn., Palam	Aero. Comm. Stn., Palam	31-1-79 (FN)
2.	C. L. Malik, Technical Officer	Aero. Comm. Stn., Bombay	Aero. Comm. Stn., Bombay	1-2-79 (FN)
3.	K. R. Ramanujam, Technical Officer	Aero. Comm. Stn., Bombay	Aero. Comm. Stn., Bombay	1-2-79 (FN)

3. Shri K. Venkatachalam, Accounts Officer III B.A.R.C. Accountant.

Kum. H. B. VIJAYAKAR,
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 12th March 1979

No. DPS/A/32011/3/76/Est/7412.—Reference this Directorate Notification of even number dated October 1, 1976. The ad hoc appointment of Shri Janardan Tukaram Nerurkar, to the post of Assistant Purchase Officer is restricted till the afternoon of December 27, 1978.

K. P. JOSEPH,
Administrative Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 12th March 1979

No. Ref. HWPs/Estt/1/P-20/1160.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Ghanshyam Chhaganbhai Patel, a temporary Upper Division Clerk of Heavy Water Project (Baroda) to officiate as Assistant Personnel Officer in the same project w.e.f. November 25, 1978 (FN) to January 6, 1979 (AN) vice Shri S. C. Thakur, Assistant Personnel Officer, appointed to officiate as Administrative Officer in Heavy Water Project (Baroda).

K. SANKARANARAYANAN,
Senior Administrative Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

TAPP-401 504, the 16th February 1979

No. TAPS/1/19(3)/77-R.—In continuation of this Office Notification of even number dated 25-7-1978, the period of deputation of Shri G. D. Baviskar Assistant Accounts Officer in the Tarapur Atomic Power Station is hereby extended for a further period of six months from 7-11-1978 to 6-5-1979.

A. D. DESAI,
Chief Administrative Officer

**OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL
AVIATION**

New Delhi, the 27th February 1979

No. A.32013/6/78-EL.—The President is pleased to appoint Shri K. B. Ganesan, Director of Research & Development, in the Civil Aviation Department, to the post of Deputy Director General of Civil Aviation, with effect from the 16th February, 1979 (Forenoon) until further orders.

H. L. KOHLI,
Director of Administration

No. A.32013/15/77-EC.—In partial modification of this Department Gazette Notification No. A.32013/15/76-EC dated 23-11-78, the entries against S. No. 4 thereof are amended as under :—

S. No., Name & Station of posting

4. Shri B. Ramakrishnan, Office of the Controller of Communication, A.C.S., Madras.

S. D. SHARMA,
Deputy Director of Administration

New Delhi, the 8th March 1979

No. A.32013/6/76-ES.—In continuation of this office Notification No. A.32013/6/76-ES dated the 23rd August, 1978, the President is pleased to extend the *ad hoc* appointments of the undermentioned officers to the grade of Aircraft Inspector upto 30-6-1979, or till regular appointments to the grade are made whichever is earlier :—

1. Shri Anupam Bagchi
2. Shri S. Majumdar
3. Shri H. M. Phull

Patna, the 6th March 1979

No. II(7)2-ET/79/2427.—In pursuance of Ministry of Finance order No. 172/78 dated 28-10-78 issued under F. No. A. 22012/26/78-Ad. II, the following officers have assumed charge as Assistant Collector of Central Excise/Customs (junior Scale)/Superintendent, Customs, Group 'A' as indicated below :—

Sl. No.	Name of Officer	Place of posting	Date of assumption of charge
1	2	3	4
1.	Shri B. S. Prasad	Assistant Collector Central Excise, Patna.	27-11-78 (F.N.)
2.	Shri J. Majumdar	Superintendent, Group 'A', Customs, Birpur.	15-11-78 (F.N.)

The 8th March 1979

No. II(7)2-ET/79/2511.—The following officiating Assistant Collectors of this Collectorate have retired from service on superannuation with effect from the dates indicated against each :—

Sl. No.	Name	Designation	Date of Superannuation
1	2	3	4
1.	Shri U. C. Charterjee	Assistant Collector, Central Excise	31-1-79 (A.N.)
2.	Shri R. K. Pandey	Do.	28-2-79 (A.N.)

D. K. SARKAR
Collector

Central Excise, Patna

Bombay, the 27th January 1979

CORRIGENDUM

F. No. II/3E(a)2/78 P.L.—The date of assumption of charge of Kum. V. V. Joglekar, shown against S. No. 10 of the Collectorate of Central Excise, Bombay's Notification No. II/3E(a)2/78 dated 22-8-1978 may be read as 18-1-1978 F.N. instead of 17-1-1978 F.N. shown therein.

E. R. SRIKANTIA,
Collector of Central Excise
Bombay

Kanpur, the 12th March 1979

No. 9/79.—Shri Jaswant Singh, confirmed Superintendent, Central Excise, Group 'B' handed over the charge of Superintendent, Central Excise Group 'B' MOR. I, Sahibabad, Ghaziabad-II division to Shri Bhagwan Singh, Superintendent, Central Excise, MOR. II, Sahibabad, Ghaziabad-II division in the afternoon of 31-1-1979 & retired from Government service on attaining the age of superannuation in the afternoon of 31-1-1979.

K. L. REKHI,
Collector

4. Shri L. A. Mahalingam
5. Shri A. K. Ray
6. Shri S. P. Singh
7. Shri D. P. Ghosh
8. Shri L. M. Mathur
9. Shri Harihar Prasad
10. Shri R. N. Sastry.

S. L. KHANDPUR,
Asstt. Director of Administration

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Allahabad, the 26th February 1979

No. 35/1979.—Shri Pritam Singh Sial, Chief Accounts Officer posted at Central Excise, Hdqrs. Office, Allahabad relinquished his charge in the afternoon of 31st December 1978 and retired from Govt. service on attaining the age of superannuation.

D. P. ARYA,
Collector
Central Excise, Allahabad

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 12th March 1979

No. 3/79.—Shri R. L. Narayanan, lately posted as Superintendent Central Excise Group 'B', Madras Collectorate on transfer to the Central Regional Unit of the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise at Hyderabad Vide Directorate's order F. No. 1041/17/78 dated 18-12-78, assumed Charge of the post of Inspecting Officer (Customs and Central Excise) Group 'B' on 10-1-79 (Forenoon).

M. V. N. RAO,
Director of Inspection

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPT. OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s Aakash Chit Fund & Trading Co. Private Ltd.
New Delhi, the 24th February 1979

No. 3816/3628.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s Aakash Chit Fund & Trading Co. Private

Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

Jullundur, the 6th March 1979

Sd./- ILLEGIBLE
Asstt. Registrar of Companies
Delhi & Haryana

No. G/Stat/2798/560/12976.—Whereas Malik Lucky Scheme & Finance Private Limited, having its registered office at 208, Verma Bldg, Chahar Bagh, Jullundur is being wound up;

And whereas the undersigned has reasonable cause to believe that no liquidator is acting

*In the matter of the Companies Act, 1956 and
In the matter of M/s Agrico & Electricals Private Limited,
Indore.*

that the affairs of the company have been completely wound up, and that statement of Accounts (returns)† required to be made by the liquidator have not been made for a period of six consecutive months;

Gwalior, the 9th March 1979

No. 1028/R/8283.—Notice is, hereby, given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Agrico & Electricals Private Limited, Indore, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (4) of section 560 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), notice is hereby given that at the expiration of three months from the date of this notice the name of Malik Lucky Scheme & Finance Private Limited will, unless cause is shown to the contrary, be struck off the register and the company will be dissolved.

S. K. SAXENA,
Registrar of Companies,
Madhya Pradesh, Gwalior

S. P. TAYAL,
Registrar of Companies
Punjab, H.P. & Chandigarh

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Bombay, the 16th February, 1979

INCOME-TAX ESTABLISHMENT GAZETTED

No. 829—In exercise of the powers conferred by the sub-Section (2) of the Section 117 of the I.T. Act, 1961 (Act 43 of 1961), I, Shri V. K. Sonde, Commissioner of Income-Tax Bombay City-I, Bombay, have appointed the undermentioned Inspectors of Income-tax to officiate as Income-tax Officers, Class-II with effect from the dates shown against their names and until further orders :—

S/Shri

1. A.V. Rao	Inspector	25-11-78 (F.N.)
2. D.T. Balani	Inspector	29-11-78 (F.N.)
3. P.M. Ghee Verghese	Inspector	22-11-78 (F.N.)
4. G.J. Talreja	Inspector	21-11-78 (F.N.)
5. P.K. Gopalakrishnan	Inspector	21-11-78 (F.N.)
6. B.T. Shidhaye	Inspector	21-11-78 (A.N.)
7. Miss M. Chandra	Inspector	20-11-78 (F.N.)
8. V.K.P. Menon	Inspector	21-11-78 (F.N.)
9. R.K. Satam	Inspector	20-11-78 (F.N.)
10. K.R. Sreenivasan	Inspector	20-11-78 (F.N.)
11. A.N. Tiwari	Inspector	20-11-78 (F.N.)
12. Mrs. A.K. Thadani	Inspector	21-11-78 (F.N.)
13. P.K. Dharmarajan	Inspector	21-11-78 (F.N.)
14. N.C. Nair	Inspector	20-11-78 (F.N.)
15. Mrs. L.G. Menon	Inspector	23-11-78 (A.N.)
16. K.L. Ludhwani	Inspector	29-11-78 (F.N.)
17. M. Vijaya Chandran	Inspector	22-11-78 (A.N.)
18. P.B. Rane	Inspector	25-11-78 (F.N.)
19. S. Ganapathy Iyer	Inspector	21-11-78 (F.N.)
20. P.R. Nair	Inspector	20-11-78 (F.N.)
21. P.L. Davies	Inspector	20-11-78 (F.N.)
22. H.C. Hinduja	Inspector	21-11-78 (F.N.)
23. A.P. Thorat	Inspector	20-11-78 (A.N.)
24. Mrs. R.A. Gupta	Inspector	21-11-78 (F.N.)
25. S.K. Pawar	Inspector	20-11-78 (A.N.)

2. They will be on probation for a period of two years in terms of letter F. No. 22/3/64-Ad V dated 25-4-75 from the Government of India, Ministry of Finance (Deptt. of Revenue), New Delhi. The period of probation may, if necessary be extended beyond the above period. Their confirmation and/or retention in the post will depend upon the successful completion of the probationary period.

3. Their appointments are made on purely temporary and provisional basis and liable to terminate at any time without notice.

V. D. SONDE,
Commissioner of Income-tax

New Delhi, the 7th March 1979

INCOME TAX

F. No. JUR-DLI/78-79/46955.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961 (42 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax Delhi-V, New Delhi hereby directs that the following Income-tax Circles shall be created with effect from 2-3-1979.

Distt. IV(11), New Delhi.

No. JUR-DLI/V/78-79/47096.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) & (2) of section 124 of I.T. Act 1961 (43 of 1961) and in partial modification of the notifications issued earlier on the subject, the Commissioner of Income-tax, Delhi-V hereby directs that I.T.O. Distt. IV (11) New Delhi shall have concurrent jurisdiction with Income-tax Officer, District-IV(6) New Delhi in respect of the persons/cases assessed/assessable by them excepting the case assigned u/s 127 or which may here be assigned.

For the purpose of facilitating the performance of the functions C.I.T. Delhi-V also authorises the I.A.C. V-C to pass such orders as contemplated in sub-section 2 of the section 124 of the IT Act 1961.

This notification shall take effect from 2-3-1979.

K. R. RAGHAVAN,
Commissioner of Income-tax,
Delhi-V, New Delhi.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY,
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

CORRIGENDA

Ludhiana the 12th March 1979

F. No. PTA/51/78-79.—In the Notification No. PTA/51/78-79 dated 9-2-1979 published at page 2209 of the

Gazette of India, Part III, Section I dated 17-3-1979 in respect of property purchased by S/Shri Jagjit Singh and Inderjit Singh s/o Capt. Bhajan Singh, 23-B, Model Town, Patiala, the following may be inserted against Serial No. 3 (persons in occupation of the property) :—

1. Shri Gajja Singh s/o Shri Hardit Singh,
2. Shri Harbans Singh s/o Shri Gajja Singh,
3. Shri Gurbans Singh s/o Shri Gajja Singh,
4. Shri Sukhbans Singh s/o Shri Gijja Singh,
5. Shri Chitwant Singh s/o Shri Gajja Singh,
6. Shri Harmindarpal Singh and
7. Shri Jatinderpal Singh, sons of Shri Sucha Singh.

No. F. No. PTA/49/78-79.—In the Notification No. PTA/49/78-79 dated 9-2-1979 published at page 2217 of the Gazette of India, Part III, Section I dated 17-3-1979 in respect of property purchased by M/s Gurdev Singh Grewal and Company, 23-B, Model Town, Patiala, the following may be inserted against Serial No. 3 (persons in occupation of the property) :—

1. Shri Gajja Singh s/o Shri Hardit Singh,
2. Shri Harbans Singh s/o Shri Gajja Singh
3. Shri Gurbans Singh s/o Shri Gajja Singh,
4. Shri Sukhbans Singh s/o Shri Gajja Singh,
5. Shri Chitwant Singh s/o Shri Gajja Singh,
6. Shri Harmindarpal Singh and
7. Shri Jatinderpal Singh, sons of Shri Sucha Singh

all residents of Village Galhori, Teh. & Distt. Patiala.

NATHU RAM

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

[*VIDE* PARA 139(F) OF THE

[illegible]

POSTS AND TELEGRAPHS, CALCUTTA

DIRECTOR GENERAL, POSTS AND TELEGRAPHS ON 31ST MARCH 1978

P&T AUDIT MANUAL, VOL-III

4% 1979	4-1/4% 1973	4-1/2% 1955-60	4-1/2% 1985	4-3/4% 1989	4-3/4% W.B. Loan 1976	5% 1982	5-1/2% 1991	5-1/2% 1995	Names of Pledgee
12	13	14	15	16	17	18	19	20	
									(P.M.G Bengal & Assam) Bangladesh
..	1. P.M. G. Punjab Tele. office
..	2. "
..	3. Chief Supdt. C.T.O. Cal.
..	4. "
..	5. Controller Telegraph Office, Alipur.
..	6. Manager Telegraph Workshop, Alipur.
..	7. Chief supdt. C.T.O. Bombay
..	8. "
..	9. "
..	10. "
..	11. "
..	12. "
..	13. "
..	14. "
..	15. "
..	16. "
..	17. "
..	18. "
..	19. "
..	20. Chief Supdt. C.T.O., New Delhi.
..	21. Supdt. in charge Telegraph Office Karachi.
..	22. "
..	23. "
..	24. "
..	25. Telegraph supervisors (N)-in-charge D.T.O. Matunga Bombay.
..	26. Chief Supdt. C.T.O. Bombay
..	27. "
..	28. Supdt-in-charge Telegraph Office Karachi.
..	29. Supdt. Telegraph Office, Karachi.
..	30. Supdt-in-Charge Telegraph Office, Karachi.
..	31. Chief Supdt. Telegraph Office, Lahore.
..	32. Chief Supdt. C.T.O. Rawalpindi.
..	..	400	33. Supdt-in-Charge Telegraph Office, Karachi.
..	34. Chief Supdt. C.T.O., Bombay.
..	35. "
..	800	..	36. "
..	2,500	..	37. Chief-supdt. C.T.O. Poona.
..	5,000	..	38. Chief supdt. C.T.O. Bombay.
..	5,000	39. Chief supdt. C.T.O. Calcutta.
..	500	40. Chief supdt. C.T.O. Bombay.
..	41. "
..	42. "
..	35,000	43. "
..	15,000	44. "
..	40,000	45. "
..	30,000	46. "
..	700	..	47. "

LIST OF PROMISSORY NOTES AND DEBENTURE KEPT IN THE CUSTODY OF

[V]IDE PARA 139(F) OF THE

[illegible]

POSTS AND TELEGRAPHS, CALCUTTA

DIRECTOR GENERAL, POSTS AND TELEGRAPHS ON 31ST MARCH 1978—Contd.

P&T AUDIT MANUAL, VOL-III]

4-3/4% Kerala 1976	4-1/2% Kerala 1974	6-1/2% 2000	5-3/4% 2002	5-3/4% W. Bengal 1982	5-3/4% 2003	5-1/2% Comp Bond 1999	6% Maha- rashtra State Loan 1985	Name of Pledgee
30	31	32	33	34	35	36	37	
..	P.M.G. (Bengal Assam) Bangladesh
..	1. P.M.G. Punjab Tele. office
..	2. "
..	3. Chief supdt. C.T.O. Cal.
..	4. "
..	5. Controller of Telegraph office Alipur.
..	6. Manager Telegraph workshop Alipur.
..	7. Chief supdt C.T.O. Bombay.
..	8. "
..	9. "
..	10. "
..	11. "
..	12. "
..	13. "
..	14. "
..	15. "
..	16. "
..	17. "
..	18. "
..	19. "
..	20. Chief stupdt. C.T.O. New Delhi.
..	21. Sudpt. in charge Telegraph office, Karachi.
..	22. "
..	23. "
..	24. "
..	25. Telegraph supervisors (N)-in-charge D.T.O. Matunga Bombay.
..	26. Chief supdt. C.T.O. Bomay.
..	27. "
..	28. Supdt-in-charge Telegraph Office Karachi.
..	29. Supdt. Telegraph Office Karachi.]
..	30. Supdt-in-charge Telegraph Office Karachi.
..	31. Chief Supdt. Telegraph Office, Lahore.
..	32. Chief supdt. C.T.O. Rawalpindi.
..	33. Supdt in-charge Telegraph Office Karachi.
..	34. Chief Supdt. C.T.O. Bombay.
..	35. "
..	36. "
..	37. Chief supdt. C.T.O. Poona.
..	38. Chief supdt. C.T.O. Bombay
..	39. Chief supdt. C.T.O. Cal.
..	40. Chief supdt. C.T.O. Bombay.
..	41. "
..	42. "
..	43. "
..	44. "
..	45. "
..	46. "
..	47. "

LIST OF PROMISSORY NOTES AND DEBENTURE KEPT IN THE CUSTODY OF

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
48.	Mehta Vakil & Co.
49.	Development Secretary (F) Life Insurance Corporation of India	9,000
50.	Indian Over Seas Bank
51.	Indian Over Seas Bank
52.	Indian Overseas Bank
53.	Indian Over Seas Bank
54.	United Bank of India
55.	M/s Lionel Edwards Ltd.
56.	M/s Mackinnon Mackenzie & Co. (P) Ltd.
57.	M/s Bulliwala & Karani
58.	United Bank of India 16 old Court house St. Cal-1
59.	Industrial Development Bank of India
60.	M/s Allahabad Bank, Cal. Br.
61.	United Bank of India 16 old Court house St. Cal-1
62.	Indian Over Seas Bank
63.	Indian Over Seas Bank
64.	Greaves Cotton & Co. Ltd.
65.	Greaves Cotton & Co. Ltd.	100	..
66.	Killick Nixon Ltd.
67.	Lionel Edward Ltd.
68.	Maharashtra State Co-operative Bank

1,45,20	9,000	1,300	400	..	3,000	100	1,000
---------	-------	-------	-----	----	-------	-----	-------

DIRECTOR GENERAL, POSTS AND TELEGRAPHS ON 31ST MARCH 1978—Contd.

12	13	14	15	16	17	18	19	20
..	700 48. Chief Supdt. C.T.O. Bombay.
..	49. Telegraph in charge Departmental Tele. Office Santacruz, Bombay
..	5,000	50. Chief-Supdt. C.T.O. Madras.
..	10,000	51. "
..	5,000	52. "
..	500	53. Chief-Supdt. C.T.O. Calcutta
..	54. "
..	55. Chief Supdt. C.T.O. Bombay.
..	56. "
..	57. "
..	58. Chief Supdt. C.T.O. Calcutta.
..	59. Chief Supdt. C.T.O. Bombay
..	60. Chief Supdt. C.T.O. Calcutta.
..	61. "
..	62. Chief Sudt. C.T.O. Madras.
..	63. "
1,000	64. Chief supdt. C.T.O. Bombay
..	65. "
..	66. "
..	67. "
..	68. "

LIST OF PROMISSORY NOTES AND DEBENTURE KEPT IN THE CUSTODY OF

1	2	21	22	23	24	25	26	27	28	29
48.	Mehta Vakil & Co.	300	..
49.	Development Secretary (F) Life Insurance Corporation of India
50.	Indian Overseas Bank
51.	Indian Overseas Bank
52.	Indian Overseas Bank
53.	Indian Overseas Bank
54.	United Bank of India	25,000
55.	M/s Lionel Edwards Ltd.	76,700	6000
56.	M/s Mackinnon Mackenzie & Co. (P) Ltd.	1,100
57.	M/s. Balliwala & Karani	50,000
58.	United Bank of India 16 Old Court House St. Cal-1
59.	Industrial Development Bank of India
60.	M/s Allahabad Bank, Cal-Br.
61.	United Bank of India 16 Old Court House St. Cal. 1
62.	Indian Overseas Bank
63.	Indian Overseas Bank
64.	Greaves Cotton & Co. Ltd.
65.	Greaves Cotton & Co. Ltd.
66.	Killick Nixon Ltd.	4,000
67.	Lionel Edward Ltd.
68.	Maharashtra State Co-operative Bank

..	..	1,500	3,000	1,52,800	6,000	..	300	4,000
----	----	-------	-------	----------	-------	----	-----	-------

DIRECTOR GENERAL, POSTS AND TELEGRAPHS ON 31ST MARCH 1978—Concl'd.

30	31	32	33	34	35	36	37
..	48. Chief Supdt. C. T. O. Bombay
..	49. Telegraph in charge Departmental Tele. Santacruz, Bombay.
..	50. Chief Supdt. C.T.O. Madras.
..	51. "
..	52. "
..	53. Chief Supdt. C.T.O. Calcutta.
..	54. "
..	55. Chief Supdt. C.T.O. Bomay.
..	56. "
..	57. "
..	58. Chief Supdt. C.T.O. Calcutta.
..	..	13,500	59. Chief Supdt. C.T.O. Bombay.
..	50,000	60. Chief Supdt. C.T.O. Calcutta.
..	25,000	61. "
..	20,000	..	62. Chief Supdt. C.T.O. Madras.
..	3,000	..	63. "
..	64. Chief Supdt. C.T.O. Bombay.
..	65. "
..	66. "
..	4,000	67. "
..	25,000	68. "

..	..	13,500	25,000	50,000	23,000	4,000	25,000
----	----	--------	--------	--------	--------	-------	--------

No. Publication/G.S.-2733 dated 6-3-1979
(Sd.) ILLEGIBLE
Accounts Officer
(Postal) Calcutta

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 8th March 1979

Ref. No. ASR/78-79/136.—Whereas, I, G. L. GAROO, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land in village situated at Sunder Check, Teh. Pathankot (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pathankot in June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Guran Ditta
S/o Shri Nathu s/o Koda Ram
Narot Mehra, Teh. Pathankot Distt.
Gurdaspur. (Transferor)
- (2) Shri S. Gopal Singh s/o Deva Singh
Son of Shri Mehna Chand,
Village Lahri Bawian, Tehsil Pathankot,
Distt. Gurdaspur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above mentioned and tenant(s)
if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 40 Kanals 2 Marlas in village Sunder Check Teh. Pathankot Distt. Gurdaspur vide Registered Deed No. 681 dated 13-6-1978 of registering authority Pathankot Distt. Gurdaspur.

G. L. GAROO, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 8-3-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 9th March 1979

Ref. No. PKT/78-79/144.—Whereas, I, G. L. GAROO IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land 13 Marlas situated at Mission Road, Pathankot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pathankot in June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Baldev Raj Kalra
S/o Shri Ram Rakha aMI Kalra
Near Chowk Dhangu, Pathankot. (Transferor)
- (2) Dr. Anirudha Mohan
S/o Shri Jagdish Parshad
Near Fire Brigade Office,
Main Bazar, Pathankot. (Transferee)
- (3) As at S. No 2 above mentioned and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 13 Marlas (155 Sq. Ft.) on Mission Road, Pathankot as mentioned in the Registered Deed 523 dated 2-6-1978 of Registering Authority, Pathankot Distt, Gurdaspur.

G. L. GAROO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 9-3-1979

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 9th March 1979

Ref. No. PKT/78-79/143.—Whereas, I, G. L. GAROO, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land 13 Marlas 155 sq. ft. situated at Mission Road, Pathankot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pathankot in June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

- (1) Shri Baldev Raj Kalra
S/c Shri Ram Rakha Mal Kalra
Near Chowk Dhangu, Pathankot. (Transferor)
- (2) Dr. Ravinder Mohan
S/o Shri Jagdish Parshad
Near Fire Brigade Office,
Main Bazar, Pathankot.
Distt. Gurdaspur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 13 Marlas (155 Sq. Ft.) on Mission Road, Pathankot as mentioned in the Registered Deed 523 dated 2-6-1978 of Registering Authority, Pathankot Distt. Gurdaspur.

G. L. GAROO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 9-3-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 13th March 1979

Ref. No. AP-1889.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing as per schedule situated at Vill. Laroi Teh. Juc.

Vill. Laroi Teh. Juc. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on July, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Santa Singh S/o Sadhu Singh
2. Shri Balbir Singh
3. Anup Singh
S/o Bakshish Singh
R/o Rajpur Teh. Jullundur. (Transferor)
- (2) 1. J. Tarsem Singh S/o Santa Singh
2. Gurdip Kaur W/o Bikram Singh
Village Laroi Teh. Jullundur. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Sale Deed No. 3496 of July 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 13-3-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 13th March 1979

Ref. No. AP-1888.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having as per schedule situated at Vill. Laroi Teh. Juc. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on July, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Santa Singh S o Sudhu Singh
2. Shri Balbir Singh
3. Anup Singh
Ss/o Bakshish Singh
R'o Rajpur Th. Jullundur
(Transferor)
- (2) 1. Tarsem Singh Singh S o Santa Singh
2. Gurdip Kaur W o Bikram Singh
Village Laroi Teh. Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Sale Deed No. 3480 of July, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 13-3-1979
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 13th March 1979

Ref. No. AP-1887.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE

situated at New Court Road, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer Jullundur on July, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Sheela Mandal W/o Mr. H. D. Mandal, S-450A, Greater Kailash, New Delhi-110048.
(Transferor)
- (2) Dr. Madan Mohan S/o Balwant Rai Bhagwati Bhawan, New Court Road, Civil Lines, Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 2743 of July 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 13-3-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 13th March 1979

Ref. No. AP No 1886.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at Green Park, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on July, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Balraj Pahwa S/o Manohar Lal,
229-Basti Sheikh, Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Kamal Jit Puri,
226-Green Park, Jullundur City. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Green Park, Jullundur as mentioned in the Registration Sale Deed No. 3275 of July, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 13-3-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Inderjit Singh S/o Baksha Singh,
486, Garha Road, Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Dr Sushma Chopra W/o, B. S. Chopra,
Patel Hospital, Jullundur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

JULLUNDUR

Jullundur, the 13th March 1979

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

Ref. No. AP-1885.—Whereas, I, B. S. DEHIYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No

AS PER SCHEDULE

situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Jullundur on July, 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid pro-
perty, and I have reasons to believe that the fair market value
of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-
tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot as mentioned in the Registration Sale Deed No. 3390
of July, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 13-3-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 13th March 1979

Ref. No. AP-1884. -Whereas, I. B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE

situated at Civil Lines, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jullundur on July, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Inderjit Singh S/o Baksha Singh,
486, Garha Road, Jullundur.

(Transferor)

- (2) Dr. Ramesh Kanta Sharma
W/o Dr. S. K. Sharma,
Patel Hospital, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

- (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Sale Deed No. 3315 of July, 1978 of the Registering Authority, Jullundur

B. S. DEHIYA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 13-3-1979

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 31st March 1979

Ref. No. AP-1883.-Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE

situated at Jullundur near Bye Pass

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jullundur in July, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Narinder Paul Singh s/o Gian Singh,
Bazar Bansawala, Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shri Sant Ram Duggal S/o Raghunath
H. No. 128/3, Central Town,
Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Sale Deed No. 3053 of July, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 13-3-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 13th March 1979

Ref. No. AP-1882.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE

situated at Village Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on July, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Ram Singh S/o Diwan Singh
Village Raipur, Teh. Jullundur,
(Transferor)
- (2) S/Shri Pritam Singh, Sital Singh, Kundan Singh
Ss/o Mehnga Singh S/o Dhanna
R/o Raipur Teh. & Distt. Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Village Raipur Tehsil Jullundur as mentioned in the Registering Sale Deed No. 2882 of July, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 13-3-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Kharaiti Lal S/o Nihal Chand
Bhargo Camp, Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR(2) Smt. Sudhershana Murria W/o Kishan Chand
90-New Grain Market, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Jullundur, the 13th March 1979

Ref. No. AP-1881.—Whereas, I. B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- AS PFR SCHEDULE and bearing No. situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on July, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following person, namely :—
12—526G1/78

THE SCHEDULE

Shop as mentioned in the Registration Sale Deed No. 3393 of July, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 13-3-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 13th March 1979

Ref. No. AP-1880.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Model Town, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on July, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Jaswant Kaur W/o Dalip Singh
30-L, Model Town, Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Jagjit Singh S/o Ram Singh
Surinder Kaur W/o Jagjit Singh,
30-L, Model Town, Jullundur. (Transferee)
- (3) As per S No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi as mentioned in the Registration sale Deed No. 3205 of July, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 13-3-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Jagdish Pershad,
H. No. 21-1-293 at Rikab Gunj,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Nirankar W/o M. N. Singh,
H. No. 5-9-96 Opposit Public Garden,
Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 7th February 1979

Ref. No. RAC No 305/78-79—Whereas, I. K. S. VEN-
KATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop 15 in premises 5-8-522 situated at Chiragali lane
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad on June, 1978

for an apparent consideration which
is less than the fair market value of the aforesaid property
and I have reason to believe that the fair market value of
the property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefore by more than fifteen per cent of such apparent con-
sideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 15 part of premises No. 5-8-522 situated at
Chiragali lane, Abids Road, Hyderabad, comprising of 25.55
Sq. Yds. registered vide Document No. 1982/78 in the Joint
Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 7-2-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 7th February 1979

Ref. No. RAC. No. 306/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6-2-45, 75 to 79 situated at A.C. Guards, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on 22-6-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S/Shri

- (1) 1. Roy Winston Stewart,
Western Australia,
2. Mrs. Marie Therese Catherine Stewart,
W. Australia
3. Patrick John Stewart,
4. Gregory Murray Stewart,
5. Daisy Marian Adamson,
6. Noreen Bernadette Threse Stephens,
7. Donald Bruce Stewart,
8. John Allen Coutts Stewart,
9. Gordon Herbert Stanley Stewart,
10. Maureen Beatrice Edwards,
11. Jean Ielsie Alice Edwards,
12. Lorna Violet Selina Crammond,
All residing at Australia. All the vendors represented by Sri Habeeb Ansari, Advocate, 828 Nizamshai Road, Hyderabad.

(Transferor)

S/Shri

- (2) 1. C. Poornaiiah,
2. M. Venkateswarlu
3. E. Krishnamurthy,
4. G. Prabhakara Rao,
5. M. S. R. Subrahmanyam,
6. P. Kodanda Ramiah,
7. C. V. Venkatanadha Sastry,
8. J. R. G. Subrahmanyam,
9. S. Ranga Reddy,
10. P. Sri Rama Murthy,
11. C. Satyavathi,
12. T. Seshagiri Rao,
13. Satyanarayana Raju,
14. M. Ramachandra Rao,
All residing at Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that house, outhouses, hereditaments and premises together with land admeasuring about 7000 Sq. Yds. bearing M. No. 6-2-45, 75 to 79 situated at A.C. Guards, Hyderabad, registered vide Document No. 1702/78 in the Office of the Sub-Registrar Khairatabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 7-2-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Jagdish Pershad,
21-1-293 at Rikab Gunj,
Hyderabad.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Mir Nusrath Ali,
H. No. 18-8-4 at Eadi Bazar,
Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 7th February 1979

Ref. No. RAC. No. 307/78-79.—Whereas, L. K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Office Nos. 13, 14 of 5-8-522 situated at Chiragali lane, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Room No. 13 and 14 part of premises No. 5-8-522 at Chiragali lane, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2384/78 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 7-2-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 7th February 1979

Ref. No. RAC No. 308/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

15-1-503/B-30 situated at Siddiambar Bazar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Doodbowli on 22-6-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Bharat Construction Co.,
15-1-503 Siddambar Bazar, Hyderabad,
(Transferor)
- (2) Smt Sheela Doshi W/o Sri Subhash Doshi,
15-1-503, B-30 Ashok Market Siddiambar Bazar,
Hyderabad
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2nd floor flat (single room) bearing M. No. 15-1-503/B-30 at Ashok Market, Siddiambar Bazar, Hyderabad, registered vide Document No. 639/78 in the Office of the Sub-Registrar, Doodbowli.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 7-2-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 7th February 1979

Ref. No. RAC. No. 309/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

15-1-503/B-31 situated at Siddiamber Bazar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Doodbowli on 26-6-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Bharat Construction Co.,
15-1-503 at Siddiamber Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Smt. Pushpa Doshi W/o Ramesh Doshi,
15-1-503, B-31 at Ashok Market at Siddiamber Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2nd floor flat (Single room) M. No. 15-1-503/B-31 situated at Siddiamber Bazar, Hyderabad, registered vide document No. 670/78 in the office of the Sub-Registrar, Doodbowli

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 7-2-1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD**

Hyderabad, the 7th February 1979

Ref. No. RAC. No. 310/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 15-1-503/A/59 situated at Siddiamber Bazar, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Doodbowli on 26-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Mahaveer Pershad Jain,
H. No. 15-1-561 Mahaboobgunj, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Smt. Kokila Bin, Mehata,
W/o Jayanthilal Mehata,
H. No. 1-10-246 at Ashoknagar,
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shops in premises M No. 15-1-503/A59, admeasuring 289.34 Sq. Fft. situated at Feelkhana, Siddiamber Bazar, Hyderabad, registered vide Document No. 671/78 in the office of the Sub-Registrar, Doodbowli.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 7-2-1979
Seal :

FORM LTNS.-----

(1) Sri A. Nageshwara Rao,
H. No. 16-1694 at Ramamurthynagar,
Nellore

(Transferor)

(2) Smt. Thiruvvedhi Nagarathammal,
of R/o Thoomathuripalem, Kanivuri-14
Prakashm- Dist.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 7th February 1979

Ref. No. RAC. No. 311/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Port. 16/25 situated at Jonalagadavari Street, Nellore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nellore on June, 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

13—526GI/78

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of door No. 16/25 situated at Jonnalagadda Vari Street, Nellore, known as "MANZU HOTEL" registered vide document No. 1281/78 in the Joint Sub-Registrar, Nellore.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 7-2-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 9th February 1979

Ref. No. RAC. No. 312/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 17 on G.G. situated at 1-11-252/1, Begumpet, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 2-6-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Jabbar Real Estate,
54-Nallagutta, Secunderabad.

(Transferor)

- (2) Sri M. Sultan Mohiuddin,
Division Forest Officer,
Paloncha-Khammam-Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 17 on 2nd floor of premises No. 1-11-252/1 situated at Begumpet, Hyderabad, registered vide Document No. 1430/78 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 9-2-1979
Sd/-

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 9th February 1979

Ref. No. RAC No. 313/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 327 in IIIrd floor situated at Chandralok Complex, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 7-6-68 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Swastic Construction Co.,
111-S. D. Road, Secunderabad.
(Transferor)
- (2) 1. I. Anjaneya Sharma,
2. I. V. Krishna Sharma,
3. I. Ashok Sharma,
4. Gopal Sharma,
5. Smt. T. Mangamma,
All residing at Yellamgutta,
Nizamabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 327 in IIIrd floor of Chandralok Complex, situated at 111-Sarojini Devi Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 1491/78 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 9-2-1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 9th February 1979

Ref. No. RAC. No. 314/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. B-2/3 and Garage No. 8 Secunderabad on 7-6-78 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 7-6-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Swastik Construction Co.,
111-S.D. Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Master G. V. Sanjay,
6-3-1089/A/5 at Somajiguda,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned- -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-2/3 and garage No. 8 at Chandralok, Complex, situated at S. D. Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 1568/78 in the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 9-2-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 9th February 1979

Ref. No. RAC. No. 315/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the said Act)

have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.
325 on IIIrd floor situated at Chandralok Complex,
Secunderabad(and more fully described in the
schedule annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer at
Secunderabad on 7-6-1978for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid pro-
perty and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the appa-
rent consideration therefor by more than fifteen per-
cent of such apparent consideration and that the con-
sideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the trans-
fer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the trans-
feree for the purposes of the Indian Income-tax Act,
1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-
tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) Swastick Construction Co.,
111-S.D. Road, Secunderabad.

(Transferor)

- (2) 1. S/Shri J. Anjaneya Sharma,
2. I. V. Krishna Sharma,
3. I. Ashok Sharma,
4. I. Gopal Sharma,
All residing at Vellamagutta,
Nizamabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 325 in IIIrd floor of Chandralok Complex,
situated at 111-S.D. Road, Secunderabad, registered vide
Document No. 1599/78 in the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 9-2-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Swastick Construction Co.,
111-S.D. Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri Syed Nooruddin,
H. No. 10-5-113 at New Ahmednagar,
Hyderabad

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 9th February 1979

Ref. No. RAC. No. 316.78-79.—Whereas, I. K. S. VEN-
KATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
335 in IIIrd floor of Chandralok Complex
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering officer at
Secunderabad on 7-6-1978

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act', in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income
or any moneys or other assets which have
not been or which ought to be disclosed by
the transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said
Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the
following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the 'said
Act', shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 335 in IIIrd floor of Chandralok Complex,
situated at 111-S.D. Road, Secunderabad, registered vide
Document No. 1606/78 in the office of the Sub-Registrar
Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 9-2-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 9th February 1979

Ref. No. RAC. No. 317/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 26 situated at 139 M. G. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on June-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. United Builders,
9-1-41 Tobacco Bazar,
Secunderabad (Partnership Firm).

(Transferor)

(2) Sri Bharat Kumar S/o Sundermal,
II. No. 21-2-772 at Patel Market,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 26 on ground floor of the premises No. 1-7-27 to 34 and 1-7-206 to 228 (Old No. 139) situated at Mahatma Gandhi Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 1479/78 in the Sub-Registrar office Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 9-2-1979

Seal :

FORM ITNS-----

(1) M/s. United Builders,
Partnership Firm, situated at 9-1-41 Tobacco Bazar,
Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sangeeta Devi W/o Sri Aravinda Kumar,
H. No. 21-2-772 at Patel Market,
Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 9th February 1979

Ref No. RAC No. 318/78-79.—Whereas, I, K. E. VEN-
KATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
shop No. 27 in Premises No. 139 situated at M.G. Road
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Secunderabad on June-78

for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the considera-
tion for such transfer as agreed to between the parties has
not been truly stated in the said instrument of transfer with
the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-
sons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 27 in the premises No. 139 situated at S. D.
Road, Secunderabad, registered vide Document No. 1509/78
in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,
Acquisition Range Hyderabad

Date : 9-2-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. United Builders, 9-1-41 at Tobacco Bazar, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Miss. Prabhavai D/o Domodhar Dass.
H. No. 15-7-247 Begum Bazar,
Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 9th February 1979

Ref. No. RAC No. 319/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 13 situated at S.D. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad on June-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceeding for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the said Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

14-526GI/78

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 13 on the ground floor in the premises No. 1-7-27 to 34 and 1-7-206 to 228 situated at Mahatma Gandhi Road, Secunderabad registered vide Document No. 1591/78 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 9-2-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 9th February 1979

Ref. No RAC No 320/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing shop No 6 in 1-2-27 to 34 M.G. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on July-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, 1961 43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) M/s. United Builders,
Partnership Firm,
Office No. 9-1-41 at Tobacco Bazar,
Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri Anjann Kumar S/o Mahender Kumar
H. No. 21-7-650 at Gandhi Bazar,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6 on the ground floor of premises No. 1-7-27 to 34 and 1-7-206 to 228 at Mahatma Gandhi Road, Secunderabad, registered vide Document No. 1786/78 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 9-2-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 9th February 1979

Ref. No. RAC No. 321/78-79 -- Whereas, I. K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. 539 situated at Balaji Colony, Thirupathi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thirupathi on 28-6-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Sri L. V. Sudhakar S/o L. V. Krishnamurthy,
H. No. 539 at Balaji Colony,
Thirupathi, A.P.

(Transferor)

- (2) Shri P. Balaramaiah Chetty S/o Chengalrai Chetty,
H. No. 324 at Kothaveedhi,
Thirupathi, A.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 539 situated at Balaji Colony, Thirupathi, Chittoor-Dist. registered vide Doc. No. 1767/78 in the office of the Sub-Registrar Thirupathi.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 9-2-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Swastik Builders, 1-2-524/3 Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri P. Nageswara Rao, 108 at Shantinagar, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 13th February 1979

Ref. No. RAC. No. 346/78-79.—Whereas, I. K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Office No. 106 situated at Sagarview Building, Domalguda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises No. 106 on first floor on Sagarview Building at Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 2162/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 13-2-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 13th February 1979

Ref. No. RAC. No. 347/78-79.—Whereas, I. K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Office No. 212 situated at Sagarview Building, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Swastik Builders,
1-2-524/3 at Domulguda, Hyderabad. (Transferor)(2) Sri G. Purushotham Rao,
H. No. 1-2-43/1 at Gaganmahal Road,
Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises No. 212 on Second floor of Sagarview Building at 1-2-524/3 Domulguda, Hyderabad, registered vide Document No. 2320/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 13-2-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Jagdish Pershad,
21-1-293 at Rikabgunj,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Laxmi Bai W/o Shri Jagdish Pershad,
H. No. 21-1-293 at Rikabgunj,
Hyderabad.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD**

Hyderabad, the 13th February 1979

Ref. No. RAC. No. 348/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Store No. 17 in Chiragalli Lane, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 17 portion of H. No. 5-8-522 at Chiragalli Lane, Hyderabad registered vide Document No. 2287/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 13-2-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th February 1979

Ref. No, RAC No. 349/78-79. Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open Plot situated at 3-5-1082 at Narayanguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri B. Surender, S/o late B. Gurravaiah, II. No. 3-5-1082 at Narayanguda, Hyderabad,
(Transferor)

(2) Dr. Kavita, W/o Dr. K. Ramantuja Chary, II. No. 3-4-703 at Narayanguda, Hyderabad
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land in premises No. 3-5-1082 at Jaiswal Lane, Narayanguda, Hyderabad, admeasuring 732 Sq. Yds. registered vide Document No. 2061/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 15-2-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 15th February 1979

Ref No RAC No 350/78-79. Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 9 situated at Murlidharbagh Hyderguda, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad on June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Dinesh Kumar Patel, 2. Radha Bai, W/o late K. M. Patel, 3. Meena Kumari, 4. Rekha Kumari, 5. Piyash Kumar, all residing at 3-6-65/1 at Basheerbagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri R. Mahesh Reddy, Advocate, R/o Kamaram-Village, Medak-Tq. Medak-Dist

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land No. 9 situated at Murlidhar Bagh, Hyderguda, Himayatnagar, Hyderabad, registered vide Document No. 2337/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN.

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 15-2-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Jeelani Begum, W/o late Syed Abdul Khader Razvi, H. No. 5-9-209/40 at Chiragali Lane, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. J. Aravinda Grace Wesley, W/o Mr. Jella Johu Wesley, H. No. 3-6-209 at Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 15th February 1979

Ref. No. RAC No. 351/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Portion of House No. 3-6-209 situated at Himayatnagar, Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June 78.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 3-6-209 at Himayatnagar, Hyderabad, admeasuring 895 Sq. Yds. registered vide Document No. 2379/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

15—526Gf/78

Date : 15-2-1979

Seal :

FORM I.T.N.S.

(1) Smt. Savithri W/o Sri V. Sundaram, H. No. 5-2-10 at Hyderbasti, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Postal Employees Co-operative Housing Society Ltd., 52-A, Subastian, Road, Secunderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th February 1979

Ref. No. RAC No. 352/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Land in S. No. 30 situated at Thirmalgiri, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on June-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Vacant portion of land in Survey No. 30 situated at Thirmalgiri Secunderabad, admeasuring 12400 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 1522/78 in the Sub-Registrar office Secunderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 15-2-1979
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.———

(1) Smt. Saraswathi, W/o Sri J. Lakshminarasimham,
II, No. 5-2-10 at Hyderbasti, Secunderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Postal Employees Co-operative Housing Society Ltd., 52-A at Subastian Road, Secunderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th February 1979

Ref. No. RAC No. 353/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Portion in S. No. 3 situated at Thirumalgiri Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on June 78 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in Survey No. 30, admeasuring 12.400 Sq. Yds. situated at Thirumalgherry village, Secunderabad, registered vide Document No. 1528/78 in the Sub-Registrar office Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 16-2-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 16th February 1979

Ref. No. RAC No. 354/78-79.—Whereas, I, **K. S. VENKATARAMAN**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion of land in S. No. 30 at Thirumalgury, Sec-bad. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on June-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri V. V. Raman, S/o late Sri A. Vaidyanatha Iyer, H. No. 52-10 at Hyderabad, Secunderabad. (Transferor)
- (2) The Postal Employees Co-operative Housing Society Ltd., at 52-A Sebastian Road, Secunderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece of vacant land in Survey-No. 30, admeasuring 12400 Sq. Yds. situated at Thirumalgury, Secunderabad, registered vide Doc. No. 1537/78 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 16-2-1979
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th February 1979

Ref. No. RAC No. 355/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion of land in S. No. 30 at Thirumalgirya, Sec-bad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on June 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Sri V. V. Raman, S/o late Sri A. Vaidyanatha Iyer, H. No. 5-2-10 at Hyderbasti, Secunderabad. (Transferor)
- (2) The Postal Employees Co-operative Housing Society, Ltd, 52-A Subastian Road, Secunderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece of land in survey No. 30, admeasuring 12400 Sq. Yds. situated at Thirumulghery, village, Secunderabad, registered vide Document No. 1541/78 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 16-2-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th February 1979

Ref. No. RAC No. 356/78-79.—Whereas, I,
K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have
reason to believe that the immovable property, having a fair
market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
4-44-in Survey No. 7 at Darga Husain Shah Wali,
Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad on June-78
for an apparent consideration which
is less than the fair market value of the aforesaid pro-
perty, and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the appa-
rent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the con-
sideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Moid Ilyas Ahmedi, S/o Seth Shaik Hashan,
Ahmedi, "R/o "Baithul Noor" Road No. 1, Ban-
jara Hills, Hyderabad.
(Transferor)

(2) The Oasis Educational Society, Represented by Sri
B. L. Narayana, Secretary, R/o H. No. 4-44 at
Darga Husain Shah Wali, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which
ever period expires, later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 4-44, and land in Survey No. 7 situated at
Darga Husain Shah Wali, Hyderabad-West admeasuring 3.01
Acres, and 50 Sq. Yds. (12300 Sq. Mts.) registered vide
Document No. 2435/78 in the office of the Joint Sub-Re-
gistrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 16-2-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, 60/61 POONA-411004

Poona-411004, the 27th February 1979

Ref. No. CA5/SR.Karveer/Oct. 78/414.—Whereas, I, SMT. P. LALWANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 58, situated at Kolhapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karveer on 7-10-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Mira Achut Bhagwat,
58, Pratibhanagar, Kolhapur (now at Pune).
(Transferor)
- (2) Shri Purushottam Vasudeo Deshpande,
2049, 11th Lane, Rajarampuri, Kolhapur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property at Plot No. 58, Pratibha Nagar Co-operative Housing Society, Kolhapur.
(Property as described in the sale deed registered under No. 2592 dated 7-10-78 in the office of the Sub-Registrar, Karveer).

SMT. P. LALWANI,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Dated : 27-2-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 60/61 POONA-411004

Poona-411004, the 27th February 1979

Ref. No. CA5/S.R.Barsi/Oct'78/417.—Whereas, I, SMT. P. LALWANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.T.S. No. 2902 & 2900 situated at Barsi, Dist. Solapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Barsi on 9-10-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Shri Purushottam Bhagwant Sulakhe,
Barsi, now residing at 1180/4, Shivaji Nagar,
Pune-5.
(Transferor)

(2) (1) Dr. Jawaharlal Motilal Doshi
(2) Motilal Jeevan Doshi,
Solapur Road, Barsi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at C.T.S. No. 2902 and 2900 at Barsi, Dist. Solapur.

(Property as described in the sale deed registered under No. 1724 dated 9-10-78 in the office of the Sub-Registrar, Barsi).

SMT. P. LALWANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona).

Dated : 27-2-1979
Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. Shri Vyanktesh Pandurang Joshi, 2. Shri Ramchandra Vyankatesh Joshi, 3. Shri Laxman Vyankatesh Joshi, 4. Shri Trimbak Vyankatesh Joshi, all at Sangli.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 60/61 POONA-411004

Poona-411004, the 27th February 1979

Ref. No. CA5/SR.Karad/Sept'78/412.—Whereas, I, SMT. P. LALWANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

R.S. No. 699/1 situated at Karad, Dist. Satara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karad on 4-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

16—526GI/78

- (2) 1. Shri Lalchand Chotalal Shah, 2. Shri Popatlal Chotalal Shah, 122, Shaniwar Peth, Karad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land R.S. No. 699/1 situated at Karad, Dist. Satara. (Property as described in the sale deed registered under No. 2509 dated 4-9-78 in the office of the Sub-Registrar, Kanad).

SMT. P. LALWANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Dated : 27-2-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, 60/61 POONA-411004

Poona-411004, the 27th February 1979

Ref. No. CA5/SR.Dhulia/Aug'78/416.—
SMT. P. LALWANI,
being the Competent Authority under Section (Whereas, I, 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.T.S. No. 1413, Galli No. 4, situated at Dhulia (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dhulia on 9-8-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Gajanan Dattatraya Nampurkar, 2. Ramabai Dattatraya Nampurkar, Adarshanagar, Pune-9.

(Transferor)

(2) Smt. Vatsalabai Vanji Kothawade, Nijampur, Tal. Sakri, Dist. Dhulia.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at C.T.S. No. 1413, Galli No. 4 at Dhulia.
Area : 181.4 sq. mt.

(Property as described in the sale deed registered under No. 1924 dated 9-8-78 in the office of the Sub-Registrar, Dhulia).

SMT. P. LALWANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Dated : 27-2-1979
Seal :

FORM ITNSJm
717**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, 60/61 POONA-411004

Poona-411004, the 27th February 1979

(1) Mrs. Asha Laxman Joshi,
Joshi Galli, Ajara (Kolhapur). (Transferor)(2) 1. Mrs. Pramila Bai Ganappa Prasadi,
2. Shri Vishwanath Ganappa Prasadi,
3. Shri Sadanand Ganappa Prasadi,
4. Shri Shashikant Ganappa Prasadi,
At Gadhinglaj, Dist. Kolhapur. (Transferee)

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. CA5/SR.Gadhinglaj/Aug'78/415.—Whereas, I, SMT. P. LALWANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 122, plot No. 12 situated at Gadhinglaj, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Gadhinglaj on 22-8-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Property at R.S. No. 122, plot No. 12 at Gadhinglaj, Dist. Kolhapur.

(Property as described in the sale deed registered under No. 1601 dated 22-8-78 in the office of the Sub-Registrar, Gadhinglaj).

SMT. P. LALWANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona).

Dated : 27-2-1979
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, 60/61 POONA-411004

Poona-411004, the 27th February 1979

Ref. No. CA3/SR.Karad/Scpt'78/413.—Whereas, I, SMT. P. LALWANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agrl. land at R.S. No. 699/2/1 situated at Karad, Dist. Satara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karad on 4-9-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Income-tax Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Indirabai Shankar Joshi, 'Gulmohor', Sane Guruji Marg, Pune-30. (Transferor)
- (2) 1. Shri Lalchand Chotalal Shah,
2. Shri Popatlal Chotalal Shah,
122, Shaniwar Peth, Karad, Dist. Satara. (Transferee)
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the date of the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land at R.S. No. 699/2/1 at Karad, Dist. Satara
H R
Area : 0—37

(Property as described in the sale deed registered under No. 2510 dated 4-9-78 in the office of the Sub-Registering Officer at Karad).

SMT. P. LALWANI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Dated : 27-2-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 9th March 1978

Ref. No.
R. N. BARA.

.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Patta No. 9, 37, 63, 65, Dag No. 306, 307, 308, 309, 260, 310, 305, 311 and 259 situated at Mouza Gangpar Dhumkar, village Lakshmi Sahar of Hailakandi Town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hailakandi on 21-6-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Binoy Krishan Shome, 2. Shri Kedar Nath Dey and 3. Matilal Dey of Hailakandi.

(Transferor)

- (2) Smt. Priti Rani Nandi, W/o Shri Nalini Kanta Nandi Lama Villa Road, Shillong.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 (two) Bigha 11 (eleven) Katha 7 (seven) chattak along with houses of assam type measuring an area of 1,000 sq. ft. situated at Lakshmi Sahar of Hailakandi Town in the district of Cachar (Assam).

R. N. BARA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong.

Date : 9-3-78

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ram Rang S/o Ram Dittal Mal
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Laxman Kumar Puri and
Shri Darshan Kumar Puri
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 17th February 1979

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 27-2/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Civil Lines, Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Moradabad on 10-8-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A plot of land measuring 500 Syds. situate at Civil Lines, Moradabad and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G (No. 3876) duly registered on 10-8-78 at the office of the Sub Registrar, Moradabad.

AMAR SINGH BISEN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-2-79
Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION
NOTICE

INDIAN FOREST SERVICE EXAMINATION, 1979
F13/78-F1(B)

New Delhi, the 31st March 1979

A competitive examination for recruitment to the Indian Forest Service will be held by the Union Public Service Commission at AHMEDABAD, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CHANDIGARH, COCHIN, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, JAIPUR, JAMMU, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAJI (GOA), PATNA, PORT BLAIR, SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR and TRIVANDRUM commencing on the 21st August, 1979 in accordance with the Rules published by the Ministry of Home Affairs (Department of Personnel and Administrative Reforms) in the Gazette of India dated the 31st March, 1979.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure, para 11).

2. The approximate number of vacancies to be filled on the results of this examination is 100, (including 15 vacancies reserved for Scheduled Castes and 7 vacancies for Scheduled Tribes candidates). This number is liable to alteration.

3. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by Money Order, or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders, Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.

NOTE.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE INDIAN FOREST SERVICE EXAMINATION, 1979. APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE INDIAN FOREST SERVICE EXAMINATION, 1979 WILL NOT BE ENTERTAINED.

4. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on or before the 14th May, 1979 (28th May, 1979) in the case of candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 14th May, 1979 accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 14th May, 1979.

5. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with completed application form, a fee of Rs. 48.00 (Rs. 12.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to account head "051—Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 6 BELOW.

6. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March 1971, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.

7. A refund of Rs. 30.00 (Rs. 8.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made in a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

8. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

R. S. AHUWALIA,
Deputy Secretary,
Union Public Service Commission

ANNEXURE

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

2. The application form and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. An application which is incomplete or is wrongly filled in is liable to be rejected.

All candidates, whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government service, whether in a permanent or temporary capacity or as work charged employees other than casual or daily rated employees are, however, required to obtain the permission of Head of their Office/Department before they are finally admitted to the examination. They should send their applications direct to the Commission after detaching the 2 copies of the form of certificate attached at the end of the application form and submit the said forms of certificate immediately to their Head of Office/Department with the request that one copy of the form of certificate duly completed may be forwarded to the Secretary, Union Public Service Commission, New Delhi as early as possible and in any case not later than the date specified in the form of certificate.

3. A candidate must send the following documents with his application—

- (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee or attested/certified copy of certificate in support of claim for fee remission (See paras 5 and 6 of Notice and para 6 below).
- (ii) Attested/Certified copy of Certificate of Age.
- (iii) Attested/Certified copy of Certificate of Educational qualification.
- (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx) photograph of the candidate.
- (v) Attested/Certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable (See para 4 below).
- (vi) Attested/Certified copy of certificate in support of claim for age concession where applicable (see para 5 below).
- (vii) Attendance Sheet (attached with the application form) duly filled.

NOTE.—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED AT ITEMS (ii), (iii), (v) AND (vi) ABOVE ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF DECEMBER, 1979. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE RESULTS OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE. THEY SHOULD KEEP THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES IN READINESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF INTERVIEW. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES, WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME, WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) above are given below and in para 6 and those of items (v) and (vi) are given in paras 4 and 5 :—

(i) (a) *CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee—*

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows :—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) *CROSSED Bank Draft for the prescribed fee—*

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi and should be duly Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

(ii) *Certificate of Age.*—The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate or in a certificate

recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Some times the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of Birth or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidates must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the institution.

Candidates are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

NOTE 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries relating to age.

NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THE AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) *Certificate of Educational Qualification.*—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 5. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

If the attested/certified copy of the University Certificate of passing the degree examination submitted by a candidate in support of his educational qualifications does not indicate the subjects of the examination an attested/certified copy of a certificate from the Principal/Head of Department showing that he has passed the qualifying examination with one or more of the subjects specified, in Rule 5 must be submitted in addition to the attested/certified copy of University Certificate.

NOTE.—Candidates who have appeared at an examination the passing of which would render them educationally qualified for the Commission's examination but have not been informed of the result as also the candidates who intend to appear at such a qualifying examination will *NOT* be eligible for admission to the Commission's examination.

(iv) *Photographs.*—A candidate must submit two identical copies of recent passport size (5 cm. x 7 cm. approximately), photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii) and 3(iv) above without a reasonable explanation for its absence having been given the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the Commission's office within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise the application is liable to be rejected.